CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-199
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,गुरुवार 24 अक्टूबर 2024

आज का विचार

सफलता के लिए कभी देर नहीं होती, मायने यह रखता है कि आप कब शुरुआत करते हैं

स्कूल बस बनी आग का गोला, किसी तरह बची 12 बच्चों की जान

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी से स्कूल बस में आग लगने की घटना सामने आई है। प्राइवेट स्कूल की बस में अचानक आग लगी और गाड़ी आग का गोला बन गई। यह हादसा तब हुआ जब गाड़ी बच्चों को स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर छोड़ने जा रही थी। घटना के दौरान गाड़ी में 12 बच्चे सवार थे। आग लगने के बाद ड्राइवर ने अपनी सूझबूझ के दम पर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इन बच्चों को सही सलामत बाहर कर लेने के कारण ड्राइवर की सब लोग तारीफ कर रहे हैं। स्कूल की छुट्टी के बाद, बस जिले के फतेहपुर रोड स्थित विद्यालय से 30 बच्चों को लेकर रवाना हुई। इसके बाद एक-एककर 18 बच्चों को उनकी मंजिल तक पहुंचा दिया। बस में अभी भी 12 बच्चे सवार थे, जिन्हें उनकी मंजिल से मिलाना बाकी था। लेकिन जैसे ही बस शहर के सोन चिरैरया रोड पर पहुंची कि अचानक उसमें आग लग गई। ड्राइवर ने आनन-फानन में बस में मौजूद सभी बच्चों को एक-एककर उतारना शुरू किया और बस छोडकर दूर सुरक्षित जगह चले गए। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई और धू धूकर जलने लगी। बताया जा रहा है कि बस में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। स्कूल के संचालक पवन शर्मा ने बताया कि बस में उस समय दो स्कूल टीचर भी मौजूद थीं, जैसे ही ड्राइवर को आग लगने का अंदेशा हुआ वैसे ही उसने गाड़ी रोककर सबको एक-एककर बाहर कर लिया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से गाड़ी में लगी आग बुझाई गई। इस हादसे के बाद मामला सामने आया तो पता चला कि शिवपुरी में कई स्कूल ऐसे हैं जो कंडम बसों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले यातायात अधिकारियों द्वारा चालान करने के मामले भी सामने आए थे, लेकिन फिर भी इन खटारा हो चुकी बसों पर लगाम नहीं लग रही है। यही कारण है कि आए दिन छोटी-मोटी चूक होती रहती हैं और आज तो पूरी बस ही आग का गोला बन गई।

लेडी जस्टिस की मूर्ति में बदलाव पर आपत्ति

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने जताई नाराजगी, कहा- हमारी की गई अनदेखी

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के प्रतीक और नई लेडी जस्टिस की मूर्ति में किए गए बदलावों पर कड़ा विरोध जताया है। *SCBA* ने कहा है कि लेडी जस्टिस की मूर्ति में बदलाव से पहले हमसे कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया। यह जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन में बार एसोसिएशन की भूमिका को नजरअंदाज करने जैसा है। बार एसोसिएशन ने इसको लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है।

लेडी जस्टिस की मूर्ति में हुए बदलावों पर आपत्ति

बार एसोसिएशन ने अपने प्रस्ताव में कहा गया है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एम्ब्लम और लेडी जस्टिस की मूर्ति में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। बार एसोसिएशन ने कहा है कि इन बदलावों के बारे में हमसे कोई सलाह नहीं ली गई, जबकि हम न्याय व्यवस्था में बराबर के हितधारक हैं। यह बदलाव बिल्कुल एकतरफा किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में हमारी साफ अनदेखी की गई है। न्यायिक सुधारों में बार के सदस्यों की भागीदारी होनी चाहिए। ये बदलाव हमें पूरी तरह से असहज कर रहे हैं।

बदलाव के पीछे की सोच पर उठे सवाल

SCBA का कहना है कि लेडी जस्टिस की पारंपरिक मूर्ति में आंखों पर पट्टी होती थी, जो न्याय की निष्पक्षता का प्रतीक थी। लेकिन, नई मूर्ति में आंखें खुली हैं, जो यह संदेश देती हैं कि अब न्याय अंधा नहीं है। बार एसोसिएशन का कहना है कि यह बदलाव उनकी जानकारी के बिना किए गए हैं। साथ ही हमें यह भी नहीं बताया गया है कि इन बदलावों के पीछे की तर्कसंगतता क्या है।

क्यों किया गया है लेडी जस्टिस मूर्ति में बदलाव

नई मूर्ति को औपनिवेशिक धरोहर से हटकर नए भारत में न्याय के खुलेपन को दर्शाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मूर्ति में कांटे संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक थे, जबकि तलवार कानून की शक्ति का प्रतीक थी। इस नई प्रतिमा का उद्देश्य यह दर्शाना है कि भारत का कानून अब और अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार है।

लेडी जस्टिस की मूर्ति में हुए हैं ये बदलाव

बता दें कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने लेडी जस्टिस की नई मूर्ति का अनावरण किया है। नई मूर्ति में लेडी जस्टिस के हाथ में संविधान है। इसमें न्याय की देवी दिखाई गई मूर्ति की आंखों पर पट्टी नहीं है। हाथ में संविधान है। इस बदलाव से यह दिखाने की कोशिश की गई है भारत का कानून न तो अंधा है और न ही केवल सजा देने वाला।

संग्रहालय बनाने पर भी बार ने जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जजों की लाइब्रेरी में एक संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव रखा है। जबकि *SCBA* का कहना है कि बार की ओर से इस संग्रहालय के बदले एक कैफे-कम-लाउंज बनाने की मांग की थी, क्योंकि मौजूदा कैफेटेरिया वकीलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। बार एसोसिएशन ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। इसके बावजूद भी संग्रहालय बनाने का काम शुरू कर दिया गया है।

बीजेपी ने 7 उम्मीदवारों की सूची जारी की दो सीटों पर मंथन जारी

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश उपचुनाव के लिए 7 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में गाजियाबाद से महानगर बीजेपी अध्यक्ष संजीव शर्मा और करहल से अनुजेश यादव को टिकट मिला है। उपचुनाव के लिए नामांकन पर्चा दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर को है। मतदान 13 नवंबर को होगा और नतीजों का ऐलान 23 नवंबर को किए जाएंगे। बता दें कि यूपी में कुल 9 सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें से सात सीटों पर बीजेपी ने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। वहीं, पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, कानपुर और सीसामाउ के कैंडिडेट पर अब भी मंथन जारी है। गाजियाबाद सीट से पार्टी ने संजीव शर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जो महानगर बीजेपी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। शर्मा पार्टी में लंबे समय से जुड़े हुए हैं और उनके संगठनात्मक कौशल को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण सीट से चुनाव लड़ने का मौका दिया गया है। गाजियाबाद बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है और यहां से जीत की उम्मीद की जा रही है।करहल से अनुजेश यादव चुनावी मैदान में करहल सीट से बीजेपी ने अनुजेश यादव को उम्मीदवार बनाया है। करहल समाजवादी पार्टी के गढ़ के रूप में जाना जाता है, लेकिन बीजेपी ने इस बार अनुजेश यादव पर भरोसा जताते हुए उन्हें मैदान में उतारा है। यह सीट राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है और यहां कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। भारतीय जनता पार्टी ने कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर और खैर (अजा) सीट से सुरेंद्र दिलेर को उम्मीदवार बनाया है। खैर अनुसूचित जाति (अजा) के लिए आरक्षित सीट है और सुरेंद्र दिलेर पहले भी इस क्षेत्र में सक्रिय राजनीति में रहे हैं। रामवीर सिंह ठाकुर कुंदरकी से पार्टी के प्रमुख चेहरा हैं और उनकी उम्मीदवारी को लेकर क्षेत्र में काफी चर्चा है।

खुद को बचाने के लिए बिश्नोई समाज के सामने ब्लैंक चेक लेकर बैठ गए थे सलमान खान...लेकिन नहीं खरीद सके

मुंबई। काला हिरण शिकार केस के बाद से सलमान खान को बिश्नोई समाज के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। इसी कांड का नतीजा है कि गुजरात की साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अब सलमान खान के पीछे पड़ा है।इस बीच, लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने एक इंटरव्यू में पूरे विवाद से जुड़ी नई बातों का खुलासा किया है। रमेश ने बताया कि किस तरह सलमान खान खुद को बचाने के लिए कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार थे।

बकौल रमेश बिश्नोई, सलीम खान कह रहे हैं कि लॉरेंस बिश्नोई यह सब पैसे लिए कर रहा है। मैं उनको याद दिलाना चाहता हूं कि सलमान खान समाज के लोगों से मिले थे और उनके सामने कोरा चेक (ब्लैंक चेक) रख दिया था। बिश्नोई समाज ने ऑफर ठुकरा दिया। **हिरण शिकार के बाद खौल रहा था बिश्नोई समाज का खून**- रमेश बिश्नोई ने बताया कि हिरण शिकार का मामला सामने आने के बाद से सलमान खान के खिलाफ बिश्नोई समाज में बहुत नाराजगी थी। लोगों का खून खौल रहा था। यही कारण है कि आज लॉरेंस बिश्नोई जो कुछ कर रहा है, लोग उसका साथ दे रहे हैं। रमेश के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई ने जब सलमान खान को निशाने पर लिया तो अभिनेता ने समाज के लोगों से संपर्क साधा था और मुलाकात की थी। यदि हम पैसों के लालची होते, तो सलमान खान का ऑफर स्वीकार कर लेते। जिस समय खबर आई कि सलमान खान ने बिश्नोई समाज में पूजे जाने वाले काले हिरण का शिकार किया है, तो लोगों में बहुत गुस्सा था। हालांकि तब लोगों ने मामला कोर्ट पर छोड़ दिया था। काला हिरण को लेकर समाज कोई भी त्याग करने को तैयार है।

मध्य प्रदेश में नदी पर्यटन का केंद्र बनेगा मेघनाद घाट

नर्मदा में गुजरात तक चलेगा क्रूज

मध्य प्रदेश में धार जिले के नर्मदा किनारे चंदनखेड़ी मेघनाद घाट अब नदी पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां से गुजरात की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक क्रूज संचालन के लिए पर्यटन विभाग चार करोड़ के कार्यों की डीपीआर तैयार कर रहा है।मध्य प्रदेश में धार जिले के नर्मदा किनारे चंदनखेड़ी मेघनाद घाट अब नदी पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां से गुजरात की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक क्रूज संचालन के लिए पर्यटन विभाग चार करोड़ के कार्यों की डीपीआर तैयार कर रहा है।इस 120 किमी के जल मार्ग पर मध्यप्रदेश और गुजरात सरकार को दो-दो फ्लोटिंग जेटी (पोंटून) क्रूज के टर्मिनल के रूप में कार्य करेगी। इसके लिए मध्यप्रदेश को दो पोंटून मिल गए हैं, जो मेघनाद घाट पर खड़े हैं। जल्द ही गुजरात को भी

दो पोंटून मिल जाएंगे। प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा नर्मदा किनारे रिसोर्ट बनाने के लिए धार जिले के मेघनाद घाट के समीप और आलीराजपुर जिले के ककराना में जमीन उपलब्ध करवाने की निविदा आमंत्रित की गई। इसके बाद एक कंपनी की टीम ने मेघनाद घाट का दौरा किया। टीम के अमित महाजन ने बताया कि नर्मदा किनारे रिसोर्ट बनाने को लेकर हमारी मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग से चर्चा चल रही है। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग भोपाल के सलाहकार अनिमेष श्रीवास्तव ने बताया कि मेघनाद घाट पर क्रूज संचालन के लिए विभाग ने चार करोड़ की लागत से डीपीआर तैयार कर ली है। इसमें जेटी तक जाने के लिए फ्लोटिंग पुल, क्रूज को खड़े रहने के स्थान के साथ अन्य आवश्यक सुविधाएं की जाएंगी। इसके लिए पहले चरण की डीपीआर बनाई है। पर्यटन विभाग द्वारा क्रूज संचालन के लिए कंपनियों से चर्चा की जा रही है।

जिनपिंग को मोदी की दो टूक...

बॉर्डर पर किसी भी सूरत में शांति भंग न हो

कजान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक में पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी सूरत में शांति भंग नहीं होने देना चाहिए। बता दें कि मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद उत्पन्न होने के बाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यह पहली बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता ऐसे समय में हुई है जब दो दिन पहले ही भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त करने के समझौते पर सहमति जताई थी। चार साल से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में इसे भारत की तरफ से बड़ी सफलता माना जा रहा है।

भारत-चीन के संबंध दुनिया के लिए महत्वपूर्ण- चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के दौरान प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि हम 5 साल बाद

औपचारिक बैठक कर रहे हैं। हमारा मानना है कि भारत-चीन के संबंध न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। हम सीमा पर पिछले 4 वर्षों में उत्पन्न हुए मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारे संबंधों के लिए प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। **दोनों के बीच 50 मिनट तक हुई बात**- कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं की 50 मिनट तक बात हुई। इस बैठक में पीएम मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद थे। बैठक की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए पीएम मोदी ने लिखा- कजान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। भारत-चीन संबंध हमारे देशों के लोगों के लिए और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेंगे।

दोनों देशों के बीच विशेष प्रतिनिधि होंगे- चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम मोदी की मुलाकात के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने एलएसी से सैनिकों के पीछे हटने और 2020 में जो विवाद शुरू हुआ था, उसे सुलझाने के लिए हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच विवादों और मतभेदों को ठीक से सुलझाने पर जोर दिया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी सूरत में शांति भंग नहीं होने देना चाहिए। भारत-चीन के बीच सीमा से जुड़े सवालों पर दोनों देशों के बीच विशेष प्रतिनिधियों को लेकर सहमति बनी है। ये विशेष प्रतिनिधि सीमा पर शांति बहाल करने के लिए जल्दी मिलेंगे और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशने की कोशिश करेंगे।

फ्लाइट में बम की धमकियों को लेकर सरकार ने 'एक्स' को लगाई फटकार

नई दिल्ली। फ्लाइट में बम की धमकियों को लेकर केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया साइट एक्स को जमकर फटकार लगाई है। संयुक्त सचिव संकेत एस भोंडवे ने एयरलाइंस और एक्स और मेटा जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। अधिकारी ने कहा कि स्थिति 'अपराध को बढ़ावा देने' जैसी है और उन्होंने इन कंपनियों के प्रतिनिधियों से ऐसी खतरनाक अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों को लेकर सवाल पूछा।

उन्होंने कहा कि जो हालात हैं, उनसे जाहिर होता है कि आप जुर्म को बढ़ावा दे रहे थे। एक्स ने हाल ही में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स को लेकर फैलाए गए फर्जी बम खतरों से ठीक से नहीं निपटा। पिछले आठ दिनों में 150 से ज्यादा उड़ानों को फर्जी धमकियां मिली हैं। इससे फ्लाइट्स की आवाजाही पर असर पड़ा। इसके साथ ही यात्री सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ी हैं। इन फर्जी धमकियों से अकासा, एअर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा जैसी एयरलाइन्स प्रभावित हुई हैं। ये सभी एयरलाइन्स दिल्ली से देश के

अलग-अलग हिस्सों के लिए उड़ानें भरती हैं।

'एक्स' को इसलिए दी गई वार्निंग- दरअसल, दिल्ली पुलिस को धमकी भरे मेसेज पोस्ट करने वाले एक्स अकाउंट की यूजर आईडी या डोमेन डिटेल्स हासिल करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद सरकार ने एक्स को फटकार लगाई। इस संकट से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार से लगभग 10 सोशल मीडिया हैंडल सस्पेंड या ब्लॉक कर दिए हैं। ये हैंडल ज्यादातर एक्स पर हैं। एजेंसियों ने फर्जी धमकियों में इस्तेमाल होने वाले कुछ शब्दों की पहचान की है। जैसे 'बम' और 'हर तरफ खून ही खून होगा'। एजेंसियां धमकी देने वाले हैंडल के प्राथमिक ईमेल रजिस्ट्रेशन और उसकी भौगोलिक लोकेशन का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं।

17 वर्षीय लड़के को हिरासत में लिया है-मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के एक 17 वर्षीय लड़के को हिरासत में लिया है। इस लड़के ने 14 अक्टूबर को मुंबई से उड़ान भरने वाली तीन फ्लाइटों को लेकर एक्स पर फर्जी बम धमकियां पोस्ट की थीं। बढ़ते बम के खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक्शन लिया है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियां एयरलाइन्स को मिली सभी बम धमकियों की जांच कर रही हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही।

सिंगल कॉलम

60 हजार किलो से ज्यादा वजन रखकर किया मेट्रो ट्रैक का लोड टेस्ट

इंदौर। इंदौर में मेट्रो के लिए गांधी नगर से लेकर रेडिसन होटल तक मेट्रो ट्रेन का ट्रैक तैयार हो चुका है। पांच स्टेशन भी तैयार हो रहे हैं। ट्रैक पर पटरियां भी बिछाई जा चुकी हैं। अब मेट्रो ट्रेन कार्पोरेशन ने बुधवार से ट्रैक का लोड टेस्ट शुरू किया। इसके लिए विशेष क्रेन का उपयोग किया जा रहा है। उसकी मदद से ट्रैक पर ब्लॉक रखे गए। 60 हजार किलो से अधिक वजन रखकर मेट्रो ट्रैक कितना वजह सह सकता है। इसे अफसर परख रहे हैं। इसके लिए ट्रैक के नीचे उपकरण भी लगाए गए हैं। मंगलवार से लोड टेस्ट की प्रक्रिया शुरू हुई। वजनी ब्लॉक के अलावा रेत की बोरियां रखकर एमआर-10 ब्रिज के समीप लोड टेस्ट शुरू हुआ। बुधवार दोपहर तक तय क्षमता के अनुसार वजन ट्रैक पर रखा गया। ट्रैक के नीचे डॉयल गेज लगाया गया था। वजन रखने के बाद उस पर पिलर के झुकाव की स्थिति देखी गई। लोड टेस्ट के लिए भोपाल से टीम आई थी। अब इसकी रिपोर्ट तैयार होगी। जिसे कमिश्नर आफ मेट्रो रेल सेफ्टी को सौंपी जाएगी। इसके बाद ट्रैक को कमर्शियल रन के लायक माना जाएगा। ट्रैक के कुछ अन्य हिस्सों में भी इस तरह का लोड टेस्ट हो सकता है। अगले वर्ष तक अफसरों ने कमर्शियल रन शुरू करने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल मध्य हिस्से में मेट्रो ट्रैक का काम शुरू नहीं हो पाया है।

सफाई नहीं मिली तो दरोगा का वेतन काटा, एनजीओ पर भी लगाई पैनल्टी

इंदौर। इंदौर को 5वें नेशनल वाटर अवॉर्ड में वेस्ट जोन की बेस्ट डिस्ट्रिक्ट कैटेगरी में पहला स्थान मिलने के बाद निगमायुक्त शिवम वर्मा बुधवार सुबह से एक्शन में आ गए। उन्होंने बिलावली, लिंबोदी तालाब का निरीक्षण किया और कान्ह नदी के शुद्धिकरण की रिपोर्ट ली। इसके बाद वर्मा वार्ड क्रमांक 75 में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। वार्ड में गंदगी पाए जाने पर दरोगा अरुण सेन का पांच दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने एनजीओ फीडबैक पर पैनल्टी लगाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंगलवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने इंदौर जिला कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा को अवॉर्ड से सम्मानित किया। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि इंदौर में जल संरक्षण की दिशा में ग्रामीण क्षेत्रों की कई नदियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। कई माध्यमों से जल संरक्षण किया जा रहा है। अवॉर्ड मिलने के बाद नगर निगम तेजी से एक्शन में आ गया है। ग्राम पंचायत वार जीआईएस आधारित योजना तैयार बनाई गई।

कन्फेक्शनरी कारोबारी की पुलिस से शिकायत करने दिल्ली से आए व्यापारी

इंदौर। दिल्ली के तीन व्यापारियों ने बुधवार को इंदौर के एक व्यापारी की पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। उन्होंने मीडिया को बताया कि यहां के कन्फेक्शनरी कारोबारी ने हमारे साथ तीन करोड़ की धोखाधड़ी की है। इस संबंध में तीनों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मामला इंदौर के कारोबारी गौरव अहलावत से जुड़ा है। बुधवार को दिल्ली के व्यापारी छोटेलाल पुरी ने पुलिस से शिकायत की। तीनों ने आरोप लगाया कि अहलावत ने रशिया की नागरिकता ले रखी है। वो हमें वहां की सरकार द्वारा कार्रवाई किए जाने के नाम से डराता है। अहलावत ने कुछ साल पहले अपनी दिल्ली स्थित कंपनी जीआरवी क्रिएशंस के लिए प्रिंटिंग और पैकेजिंग का काम कराया था, जिसके एवज में 50 लाख रुपए देना थे, लेकिन उन्होंने पैसे नहीं दिए। इसके बाद उन्होंने फोन उठाना ही बंद कर दिया। देनदारी से बचने के लिए अपना पता भी बदल दिया गया। एक अन्य व्यापारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मेरी फर्म प्राची प्रिंट एंड पैकेजिंग से अहलावत ने प्रिंटिंग और पैकेजिंग का काम करा कर 21 लाख रुपए नहीं चुकाए।

लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के पास तीन भुजा के ओवरब्रिज का काम शुरू

इंदौर। दौर में लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन माल गोदाम के पास रेलवे ओवर ब्रिज का काम जल्द शुरू होगा। इसके लिए निर्माण एजेंसी ने तैयारियां शुरू कर दी है। पीडब्ल्यूडी ने बुधवार से लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के पास स्थित माल गोदाम रेलवे क्रॉसिंग को बंद कर दिया है। क्रॉसिंग पर तीन भुजा वाले ब्रिज का निर्माण किया जाना है। क्रॉसिंग नंबर 243 पर काम शुरू करने के लिए रियल कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं। वाहन चालक अब पोलो ग्राउंड अंडर ब्रिज या बाणगंगा क्रॉसिंग होते हुए आना-जाना कर सकेंगे। माल गोदाम क्रॉसिंग ओवरब्रिज के निर्माण पर पीडब्ल्यूडी करीब 29 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है और इस टू लेन चौड़े ब्रिज का निर्माण डेढ़ साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

इंदौर शर्मसार... सड़क पर रातभर नग्न भटकती रही रेप पीड़िता

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक हैवानियत भरी घटना सामने आई है। एक युवक ने मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला का रेप कर उसे अर्धनग्न हालत में सड़क पर छोड़ दिया। महिला रातभर शहर की सड़कों पर घूमती दिखी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। दरअसल, घटना सदर बाजार थाना क्षेत्र के नीलकंठ कॉलोनी की है। सड़क पर मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला अर्धनग्न हालत में घूमती दिखी। एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा ने बताया कि सोमवार-मंगलवार की दरमिनिया रात करीब 2.30 से 3 बजे 40

साल की मानसिक रूप विक्षिप्त महिला सड़क पर घूम रही थी। महिला को अकेला घूमता देख वहां से गुजर रहा सोनू उर्फ साहिल सोनी (20) नाम का युवक महिला को अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसे अर्धनग्न हालत में छोड़ दिया।

आरोपी ने जुर्म कबूला

एडीसीपी के मुताबिक आरोपी सोनू पेशे से हम्माल है। वह मूल रूप से सागर का रहने वाला है। पुलिस ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें डॉक्टरों ने दुष्कर्म की पुष्टि की है। दूसरी ओर आरोपी ने भी दुष्कर्म करने की बात कबूल की है। आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने पहनाए कपड़े

सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि आरोपी महिला के साथ जाता हुआ दिखाई दे रहा है। तब उसके बदन पर कपड़े थे। दुष्कर्म के कुछ देर बाद महिला अर्धनग्न हालत में नीलकंठ कॉलोनी में घूमती हुई दिख रही है। सुबह करीब 4 बजे सफाईकर्मियों ने जब महिला को देखा तो पुलिस को इस बात की सूचना दी। पुलिस ने खोजबीन की तो महिला करीब 4.30 बजे एक गार्डन के पास बैठी मिली, जिसके बाद उसे कपड़े पहनाए और पूछताछ की, लेकिन वह कुछ बोल नहीं पा रही थी।

खाली टपरी में ले गया था आरोपी

महिला को आरोपी एक खाली टपरी में लेकर गया था। घटनास्थल के आसपास पुलिसकर्मियों के मकान हैं। एक चौकीदार का परिवार भी रहता है। यहां से महिला करीब आधा किलोमीटर तक बिना कपड़ों के पैदल गई थी। आसपास रहने वालों के मुताबिक, उन्होंने कुछ नहीं देखा।

इंदौर में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगा पाएंगे नए पुलिस कमिश्नर?

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश के तेज तर्रार अफसर माने जाने वाले आईपीएस संतोष कुमार सिंह को इंदौर पुलिस कमिश्नर की कमान मिली है। संतोष कुमार सिंह को पहले भी इंदौर जैसे शहर का अनुभव रहा है। वे पहले इंदौर के पुलिस कप्तान रह चुके हैं। जब वे इंदौर में पदस्थ थे तो कई बड़े अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे डाला था। भूमाफिया पर भी उन्होंने नकेल कसी थी। अवैध नशे को लेकर लगातार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच संतोष कुमार सिंह की नियुक्ति अहम मानी जा रही है। वे प्रदेश के पहले आईपीएस है, जो तीन बड़े शहर ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर में पुलिस कप्तान रह चुके है। वे बड़े संभागों में डीआईजी और आईजी भी रह चुके हैं। वे वर्तमान में उज्जैन संभाग के आईजी थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपराध के मामले में इंदौर के बिगड़ते हालात पर वे सख्त एक्शन लेंगे।

परिपाटी रही है यह परिपाटी

प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के महत्वपूर्ण पदों पर बीते 25 सालों से मुख्यमंत्री के पसंदीदा अफसरों के काबिज रहने की परिपाटी रही है। दिग्विजय सिंह के शासनकाल में उन्होंने मनोज श्रीवास्तव को इंदौर कलेक्टर बनाया था। दिग्विजय सिंह से लेकर शिवराज सिंह तक के शासनकाल में चली इस परंपरा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने और ज्यादा बेतहर तरीके से आगे बढ़ाया है। इंदौर का प्रभाव उन्होंने खुद अपने पास रखा और अब संतोष सिंह को पुलिस आयुक्त बनाकर यह संकेत दिए कि वे इंदौर पर अपनी प्रशासनिक पकड़ को मजबूत रखना चाहते हैं। आईएएस आशीष सिंह भी मुख्यमंत्री की रुचि के चलते इंदौर कलेक्टर बने, क्योंकि वे उज्जैन कलेक्टर भी रह चुके थे और अपने गृह जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उनका काम परखा था। नए पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह उज्जैन रेंज के आईजी थे। पहले भी वे इंदौर के एसपी रह चुके हैं।

इंदौर में राजनीतिक दबाव ज्यादा

इंदौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के साथ पॉलिटिकल पावर सेंटर भी है। इंदौर में दो मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट के अलावा सात विधायक, एक सांसद और एक राज्यसभा सदस्य हैं। मंत्री विजयवर्गीय लगातार इंदौर में ड्रग के अवैध धंधे का मुद्दा उठाते रहे हैं। पिछली बार इंदौर में उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने सार्वजनिक रुप से इंदौर में राजस्थान से नशा आने की बात कही थी। मंत्री सिलावट का राजनीतिक दबाव पुलिस अफसरों पर रहता है।

पहले राजनीतिक दबाव को दरकिनार कर चुके हैं सिंह

नए पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह की गिनती सख्त छवि के अफसरों में होती है। हालांकि इंदौर पुलिस कमिश्नर रहते उन्हें राजनेताओं से तालमेल बनाकर तो रखना होगा। इंदौर में पिछले कार्यकाल में कई मामलों में उन्होंने राजनीतिक दबाव को दरकिनार कर भोपाल के अफसरों को विश्वास में लेकर सख्त एक्शन लिया था। अब देखना दिलचस्प होगा कि इंदौर पुलिस कमिश्नर के रूप में वे कितना कमाल दिखा पाते हैं।

खजराना गणेश मंदिर में दीवाली 1 नवंबर को, यह शास्त्र सम्मत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दीवाली इस बार 31 अक्टूबर या एक नवंबर को मनाए जाने को लेकर सभी पंडित अपने-अपने तर्क दे रहे हैं। इस क्रम में बुधवार को इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के पुजारी विनीत भट्?ट ने बताया कि मंदिर में 1 नवंबर को दीवाली मनाई जाएगी। भट्?ट ने कहा कि धर्म सिंधु, निर्णय सिंधु, सौ से अधिक पंचांगों आदि ग्रंथों का यह मत है कि जब प्रदोष काल में अमावस्या आती हो तब उसी दिन को मानना चाहिए। यह शास्त्र सम्मत है। इसी दिन हमारा पितृ कार्य भी संपन्न हो जाएगा। इस दिन शाम 6.18 बजे तक अमावस्या रहेगी।

भट्?ट ने आगे कहा कि इस दिन स्वाति नक्षत्र का भी योग है। आयुष्मान योग है। सिंह लग्न, वृषभ लग्न और कुंभ लग्नों का भी समावेश है। इस तरह

इससे पहले सोमवार को शहर के सरकारी संस्कृत कॉलेज में प्रदेश स्तर के ज्योतिषी, प्रमुख मठ - मंदिर के पुजारी और शोध अध्येताओं की बैठक हुई। खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर, श्री श्री विद्या धाम मंदिर, राम मंदिर, वीर बगीची हनुमान मंदिर, वेंकटेश मंदिर, छत्रीबाग सहित इंदौर के कई मंदिरों द्वारा भेजे गए संदेशों का वाचन किया गया।

बताया गया कि इन सभी मंदिरों ने भी शास्त्र सम्मत दीपावली मनाने का निर्णय दोहराया है। मध्य प्रदेश ज्योतिष और विद्वत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक और संस्कृत कॉलेज विभागाध्यक्ष डॉ. विनायक पांडेय ने बैठक के निष्कर्ष के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बैठक में तय किया गया है कि दीप पर्व में लक्ष्मी पूजन 1 नवंबर को ही मनाए जाने के योग है। धर्म शास्त्रों के अनुसार देव पूजन के लिए अमावस्या प्रतिपदा से युक्त श्रेष्ठ कही गई है।

सपना संगीता पर कब्जे हटाने गए अफसरों को व्यापारियों ने घेरा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम का विरोध शुरू हो गया। प्रशासन और नगर निगम का अमला बुधवार को जब सपना संगीता मार्ग पर पहुंचा तो दुकानदारों ने विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना था कि दीपावली त्योहार के समय इस तरह की मुहिम क्यों चलाई जा रही है। इससे हमारा कारोबार प्रभावित होगा। अफसरो ने कहा कि सामान दुकानों के भीतर रखा जाना चाहिए। फुटपाथ और सड़क को घेरकर सामान और साइन बोर्ड रखे जा रहे है। इससे वाहन चालकों को वाहन निकालने के लिए जगह नहीं मिलती। मुहिम जारी रही तो व्यापारियों ने नारेबाजी कर अपना विरोध जताया और अफसरों से बहस करते रहे। कांग्रेस नेता मनोहर धवन का भी अपसरों से विवाद हुआ।

इस मार्ग पर 20 से ज्यादा दुकानों के शेड और कब्जे हटाए गए। अफसरों ने इस मार्ग पर उन बेसमेंट को भी देखा, जिन्हे पिछले दिनों सील किया गया था। कुछ स्थानों पर वाहनों की पार्किंग शुरू हो गई। दीपावली के समय चलाई जा रही मुहिम को लेकर

मेयर पुष्य मित्र भार्गव का बयान आया है। उन्होंने कहा कि रेहड़ी वाले, पटरी वाले इस मुहिम से परेशान न हो। दीपावली त्योहार के समय राजवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में पांच दिन जो दुकानें लगेगी। उन्हें कोई परेशान नहीं करेगा, लेकिन दुकानों से यातायात प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखा जाए।

नगर निगम की रिमूवल गैंग ने एमआर-11 मार्ग से पंद्रह से ज्यादा कब्जे हटाए। यहां सड़क को चौड़ा किया जा रहा है,लेकिन चौड़ाई की जद में कई कच्चे-पक्के मकान में बाधक बने हुए थे। उन्हें हटाया गया।

छात्रों के बीच हुआ विवाद बना सियासी अखाड़े का मुद्दा

यूनिवर्सिटी के छात्रों ने किया प्रदर्शन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एबीवीपी और डीएवीवी होस्टल के छात्रों के बीच हुआ विवाद अब राजनीतिक अखाड़े का मुद्दा बन गया है। बुधवार को इस मामले में यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रदर्शन किया और कहा कि दलित के नाम पर राजनीति बंद हो। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा कि भाजपा अपने पाले हुए सड़कछाप गुंडों के जरिये दलित और आदिवासी एजेंडा की प्रतिपूर्ति करती है। एबीवीपी छात्रों का नहीं कुकृत्य करने वालों का संगठन है जिसे भाजपा अपनी अगली पीढ़ी के लिए तैयार कर रही है। ये लोग आदिवासी और दलित छात्रों को अपना निशाना बनाते रहते हैं! दो दिन पहले

भाजपा की नई पीढ़ी एबीवीपी के गुंडे इंदौर में आदिवासी और दलित छात्रों को उनके होस्टल कैम्पस में जाकर गालियां दी और होस्टल पर पत्थर फेंके! कानून को मजाक समझने वालों पर सीएम कार्यवाही करेंगे या दलित और आदिवासी अत्याचारों पर भी मौन रहेंगे? मुख्यमंत्री मोहन यादव इस मामले पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने के आदेश दें। उमंग सिंघार की पोस्ट के बाद इंदौर के एबीवीपी पदाधिकारियों ने पलटवार किया है। एबीवीपी के नगर अध्यक्ष सार्थक जैन का कहना है कि उमंग सिंघार को घटना की पूरी जानकारी ही नहीं है और वे पोस्ट कर रहे हैं। कानून को हाथ में लेने का काम होस्टल वालों ने किया। उन्होंने एबीवीपी कार्यकर्ताओं से मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया है। वहीं होस्टल के छात्रों का कहना है कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने उनसे मारपीट की। 21 अक्टूबर को शासकीय नवीन विधि महाविद्यायल में एबीवीपी कार्यकारिणी का घोषित हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं के द्वारा जश्न मनाया जा रहा था। ढोल पर सभी नाच रहे थे। सामने ही होस्टल है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं और होस्टल के छात्रों में जश्न की बात पर विवाद हो गया। इसके बाद मारपीट हुई और मामला थाने पहुंचा।

सोने की चमक बरकरार, महंगे दाम पर भी लोग खरीद रहे ज्वेलरी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सोना इस बार रिकॉर्ड रेट पर पहुंच गया है लेकिन लोगों की सोने में रुचि कम नहीं हुई है। सोने को सुरक्षित निवेश मानते हुए लोग त्योहारी सीजन में धड़ल्ले से खरीदारी कर रहे हैं और दुकानदारों को उम्मीद है कि इस बार भी दीपावली पर बंपर खरीदारी होगी। बुधवार को सोना 80 हजार 545 प्रति दस ग्राम पर बिका और चांदी 8 हजार 450 रुपए प्रति सौ ग्राम पर बिकी। बुधवार को भी सराफा में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। व्यापारियों का कहना है कि दीपावली पर बंपर ग्राहकी होगी और बाजार इस बार ऑलटाइम रिकॉर्ड हाई तक जाएगा। सराफा बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष

अनिल रांका ने कहा कि सोने में ग्राहकों की रुचि कभी कम नहीं होती। सोने का भाव भले ही रिकार्ड स्तर पर है लेकिन सोना हमेशा से ही निवेश और खरीदारी के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प है। सोने के भाव कम होने की संभावना न के बराबर होती है। एक सप्ताह से बाजार में बहुत अच्छी ग्राहकी है और हर दिन के साथ बढ़ रही है। दीपावली के आसपास तो बाजार में बंपर खरीदारी होगी। इस बार बाजार रिकॉर्ड बिक्री करेगा।

हालमार्क के आने से बढ़ा विश्वास

रांका ने कहा कि इंदौर में अब खरीदारी का ट्रेंड बदल रहा है। सराफा बाजार के ग्राहक बंधे हुए हैं। कई सालों से लोग यहां पर खरीदारी करते आ रहे हैं। अब इंदौर का विकास चारों तरफ हो रहा है और अलग अलग क्षेत्रों में भी बाजार तैयार हो रहे हैं। इससे ग्राहकों के पास विकल्प खुल रहे हैं। हालमार्क के आने से सोने की विश्वसनीयता पुख्ता हुई है और अब आप कहीं से भी सोना खरीदें आपको हालमार्क का है तो खरा ही मिलेगा।

लाइट वेट ज्वेलरी की डिमांड ज्यादा

रांका ने कहा कि राजस्थानी पैटर्न की ज्वेलरी की ज्यादा डिमांड है। शादियों के लिए भी लोग वही पैटर्न अधिक मांग रहे हैं। लाइट वेट ज्वेलरी की डिमांड अधिक है। हीरे को भी लोग खासा पसंद कर रहे हैं। सराफा के व्यापारी अधीर सुराणा और अपूर्व सुराणा ने बताया कि ज्वेलरी में डिजाइन बहुत आ गई हैं। नई नई डिजाइन्स के कारण लोगों का खरीदारी में आकर्षण बढ़ रहा है। अब उन्नत तकनीकों की वजह से लोगों को सोने और चांदी में बहुत विकल्प मिल जाते हैं।

पुलिस और एनसीबी बीते 15 दिन से छान रही खाक

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री केस के तीन आरोपी बने अबूझ पहेली

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में पकड़ी गई करोड़ों की एमडी ड्रग्स फैक्ट्री के मामले में मंदसौर के हरिश आंजना और प्रेमसुख पाटीदार एनसीबी की रिमांड पर हैं। लेकिन इनके नामजद साथी ओम पाटीदार, शोएब लाला और रबनवाज के बारे में पुलिस और एनसीबी बीते करीब 15 दिन से मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई जिलों की खाक छान चुकी है, पर अब तक इनके बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। इनके आलावा राजस्थान और मध्यप्रदेश के आधा दर्जन अन्य ड्रग सप्लायरों की भी इस मामले में तलाश की जा रही है। ये भी पुलिस के लिए पहेली बने हुए हैं। ऐशोआराम का जीवन जीने वाले ड्रग्स कांड से जुड़े कुछ आरोपी तो दशकों बाद जांच एजेंसी की रडार पर आए हैं। बताया जाता है कि ये लंबे समय से नशे के कारोबार से जुड़े थे और अकूत दौलत कमा चुके हैं। लेकिन जांच एजेंसियां इनसे अंजान बनी रही। शायद ये ही कारण था कि प्रेमसुख, ओम के साथ क्षेत्र के कई युवा भी जुड़ गए। खुद अधिकारी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि ओम पाटीदार, शोएब और रबनवाज के पकड़े जाने के बाद कई सप्लायरों के नाम सामने आएंगे। केंद्रीय जांच एजेंसी से लेकर प्रदेश की नारकोटिक्स विंग और पुलिस अधिकारी लंबे समय से जिले में तस्करों पर नकेल कसने के दावें करते रहे हैं। लेकिन इतने बड़े लेबल पर ड्रग्स का कारोबार करने वाले बदमाश जिले में ही पनाह लिए रहे, लेकिन किसी को कानों कान खबर तक नहीं हुई। खासकर एनसीबी, सीबीएन और प्रदेश में पुलिस की नारकोटिक्स विंग। इनका काम ही सिर्फ मादक पदार्थ तस्करों पर नकेल कसने का है। ऐसे में इनकी भूमिका की भी जांच होना चाहिए? इसमें खासकर विंग के अधिकारियों की इन बदमाशों के साथ गलबहियां की खबरें भी अब आम हो रही है।

ड्रग कांड के प्रमुख आरोपी हरिश आंजना और प्रेमसुख पाटीदार के हाथ आने के बाद जांच एजेंसी इनकी प्रॉपर्टी के बारे में सुराग लगाने में जुट गई थी। अधिकारिक जानकारी के अनुसार, टीम के पास करोड़ों की प्रॉपर्टी की जानकारी आ गई है। जबकि प्रेमसुख गांव में पत्नी के आलावा मंदसौर में भी मकान लेकर एक अन्य महिला के साथ रह रहा था। यह गांव की पत्नी से पहले से इसके साथ है। मौज-मस्ती के लिए बनाए गए आलीशान मकान में ऐशोआराम की सारी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

लगातार जुटी हुई है टीमें

मंदसौर एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि ड्रग कांड में गिरफ्तार आरोपियों के साथियों के बारे में लगातार पुलिस टीमें काम कर रही हैं। जल्द ही ये सभी गिरफ्त में होंगे। इसके आलावा इनसे जुड़े लोगों के बारे में भी टीमें जांच कर रही है।

बाहरी एजेंसियां ड्रग्स माफियाओं के नेटवर्क का कर रहीं भंडाफोड़

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में बाहरी एजेंसियां ड्रग्स के कारोबारियों का भंडाफोड़ कर करोड़ों रुपयों की ड्रग्स, हेरोईन और अन्य मादक पदार्थों का जखीरा पकड़कर मप्र सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था सवालिया निशान खड़ा कर रही है। वहीं प्रदेश की कानून व्यवस्था माफियाओं के आगे नतमस्तक होकर और उन्हें सरंक्षण देकर धड़ल्ले से मादक पदार्थों को देश भर मे सप्लाई करने का काम करा रही है। पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की नाकामी आज फिर सामने आई है। दिल्ली-मुंबई में 646 किलो हेरोइन पकड़ी गई, जो मध्यप्रदेश के शिवपुरी से पूरे देश में सप्लाई हो रही थी।

इस जब्ती ने फिर साबित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में ड्रग्स माफिया का आतंक पूरे चरम पर है, और माफियाओं के आगे नतमस्तक प्रदेश की भाजपा सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल और नाकारा साबित हो रही है। पटवारी ने कहा कि बाहरी एजेंसियां आए दिन प्रदेश में ड्रग्स माफियाओं के नेटवर्क का भंडाफोड़ कर रही हैं, कुछ दिन पूर्व सरकार की नाक के नीचे राजधानी भोपाल ही में 1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ी गई और उसके बाद झाबुआ में 170 करोड़ की एमी ड्रग्स पकड़ी गई यह प्रदेश सरकार के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। प्रदेश अराजकता की ओर बढ़ रहा है, नशीली वस्तुओं के सेवन से युवाओं का भविष्य बबार्दी की कगार पर हैं और महिलाओं और अबोध बालिकाओं की आवरू पर संकट छाया हुआ है। लेकिन मप्र सरकार अपनी झूठी शान दिखाने इंवेट में मस्त हैं।

ट्रेनें फुल, बसों का किराया चार गुना हवाई यात्रा तीन गुना महंगी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। दीपावली और छठ पर यात्रा तभी खुशगवार हो सकती है, जब पहले से टिकट कन्फर्म कराया गया हो। वरना तुरंत टिकट लेने की इच्छा जेब पर भारी पड़ने वाली है। रही बात ट्रेन की तो, अब टिकट मिलेगी, यह भूल ही जाइए। ऐसा इसलिए क्योंकि सभी ट्रेनों में 27 अक्टूबर से 05 नवंबर तक वेटिंग हो चुकी है। कुछ ट्रेनों में तो नो रूम भी हो गया है। वहीं, बस से सफर करने का मन बना रहे लोगों की भी जेब ढीली होने वाली है। निजी बस आपरेटर्स ने दीपावली के हफ्ते की सभी बुकिंग की टिकट चार गुना तक महंगी कर दी है। हवाई जहाज से जाने वाले भी सतर्क हो जाएं, क्योंकि हवाई यात्रा की टिकट भी चार गुना महंगे दामों पर मिल रही है।

कहां से कितना किराया

उदाहरण के तौर पर भोपाल से पटना यात्रा करने वाले हवाई यात्रा का सामान्य किराया 6 से 7 हजार रुपए है, लेकिन दीपावली के दिनों में किराया 19 से 20 हजार रुपए तक पहुंच गया है। वहीं भोपाल से बालाघाट जाने वाली बसों का किराया 2200 रुपए दिख रहा है, सामान्य दिनों में यह किराया सिर्फ 600 रुपए ही होता है।

यहां सबसे ज्यादा वेटिंग

इस समय आरक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की लंबी कतारें दिख रही हैं। बिहार, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों में नो रूम दिखने लगा है। यहां जाने वाले अधिकांश

यात्री दीपावली के साथ ही छठ मनाने वाले भी होते हैं।

महंगी ट्रेनों में मिल रहा टिकट

आम यात्रियों की पहुंच से बाहर वाली भोपाल से दिल्ली 12001 शताब्दी एक्सप्रेस, रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन जाने वाले 20171 वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी रेलों में कुछ टिकट मिल सकते हैं, हालांकि इनका किराया वहन करना हर किसी के बस की बात नहीं है।

त्योहार स्पेशल ट्रेनों में मिल सकती है जगह

त्यौहार को देखते हुए भोपाल रेल मंडल ने उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड और मुंबई की तरफ जाने वाले रूट पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। यह रेलगाड़ियां भोपाल से होकर जाएंगी। ऐसे में मध्यप्रदेश वासियों को इसका लाभ मिलेगा। रेलवे ने त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यात्री इन ट्रेनों को खोजकर किफायती दर पर कंफर्म टिकट हासिल कर सकते हैं।

दाना तूफान ने रोके रेल के पहिए, मप्र के हजारों यात्री होंगे प्रभावित

ओडिशा और पश्चिम बंगाल में उठने वाले चक्रवाती तूफान 'दाना' का प्रभाव मध्यप्रदेश में भी दिख रहा है। भले ही समुद्र की ऊंची-ऊंची लहरों से मप्र को कोई खतरा न हो, लेकिन यहां के यातायात में प्रभाव देखा जा रहा है। भुवनेश्वर, पुरी, विशाखापट्टनम की ओर से आने-जाने वाली कई ट्रेनों को रद्द करने से मध्यप्रदेश का रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। दाना तूफान के अलर्ट के चलते जिन रेलगाड़ियों को रद्द किया गया है, उनमें से कई ट्रेनें भोपाल और ग्वालियर से होकर गुजरती हैं। ये ट्रेनें 25 अक्टूबर तक प्रभावित रहेंगी।

26 अक्टूबर तक कैंसिल रहेगी ये ट्रेनें

गाड़ी नंबर 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस बुधवार को रद्द की गई है। ट्रेन नंबर 08475 पुरी फेस्टिवल एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 20807 विशाखापट्टनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस को 25 अक्टूबर को रद्द किया गया है। निजामुद्दीन से पुरी जाने वाली फेस्टिवल एक्सप्रेस को 26 अक्टूबर को रद्द कर दिया गया है।

इनको चलाया जाएगा

ट्रेन नंबर 11123 ग्वालियर-बरौनी मेल को 23 से 26 अक्टूबर के बीच को ररद्द करने की सूचना आई थी।

लेकिन, अब यह बुधवार और गुरुवार को नियमित संचालित होगी। ट्रेन नंबर 11124 बरौनी-ग्वालियर को 24 से 27 अक्टूबर तक रद किया गया था। लेकिन, अब यह ट्रेन 24 और 25 अक्टूबर को नियमित समय से चलेगी।

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

24 अक्टूबर को 18477 पुरी-ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस

24 अक्टूबर को 22865 एलटीटी पुरी एक्सप्रेस

24 अक्टूबर को 18426 दुर्ग - पुरी एक्सप्रेस

24 अक्टूबर को 09060 ब्रह्मपुर-सूरत एक्सप्रेस

24 अक्टूबर को 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस

25 अक्टूबर को 20807 विशाखापत्तनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस

26 अक्टूबर को 12844 अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस

29 अक्टूबर को 20824 अजमेर-पुरी एक्सप्रेस

उपचुनाव के नामांकन में कांग्रेस करेगी शक्ति प्रदर्शन

आज बुधनी और कल विजयपुर में पहुंचेंगे सभी बड़े नेता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के दो सीटों बुधनी और विजयपुर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरी दमखम के साथ उतर रही है। उपचुनाव 13 नवंबर को होने जा रहे है। जिसको लेकर बीजेपी और कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। हालांकि अभी तक कैंडिडेट्स ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। कांग्रेस के उम्मीदवार 24 और 25 अक्टूबर को ही नामांकन जमा करेंगे। इस दौरान कांग्रेस रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन करेगी। जिसमे जीतू पटवारी सहित कई नेता शामिल होंगे। कांग्रेस द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार बुधनी से कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल 24 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे। जबकि विजयपुर में कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा 25 अक्टूबर को नामांकन भरेंगे। इधर विजयपुर विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रामनिवास रावत गुरुवार (24 अक्टूबर) को नामांकन फार्म जमा करेंगे, जबकि बुधनी विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव शुक्रवार 25 अक्टूबर को अपना नामांकन फार्म जमा करेंगे। दोनों सीटों पर नामांकन फार्म जमा करने की प्रक्रिया 18 अक्टूबर से शुरू हो गई है।

सिहोर जिले की बुधनी विधानसभा में उपचुनाव के लिए कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी राजकुमार पटेल द्वारा 24 अक्टूबर को नामांकन दाखिल किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, मप्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, मप्र विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, विधायकगण आरिफ मसूद, सचिन यादव और रजनीश सिंह एवं पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे भोपाल से प्रस्थान कर पूर्वान्ह 11.30 बजे बुधनी पहुंचेंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि नेतागण गुरूवार, 24 अक्टूबर को कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल द्वारा द्वारा विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल रैली में शामिल होंगे।

मिसरोद से आईएसबीटी तक बनेगी सीसी सर्विस रोड

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में नर्मदापुरम रोड पर मिसरोद से आईएसबीटी तक सर्विस रोड को सीमेंट कांक्रीट (सीसी) से बनाया जाएगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और गोविंदपुरा से विधायक कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में हो रहे सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में भोपाल-नर्मदापुरम रोड पर मिसरोद से आईएसबीटी तक के सर्विस रोड को सीमेंट-कांक्रीट (सीसी) से बनाने की योजना की जानकारी दी गई। इस परियोजना के साथ, जेके रोड पर चल रहे निर्माण कार्य को भी इसी वर्ष दिसंबर के अंत तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने बैठक में कहा कि क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का निरीक्षण वह स्वयं करेंगी। उन्होंने बताया कि जेके रोड के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसे समय पर पूरा करने के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। गौर ने विभिन्न विभागों जैसे एमपीईबी, पीएचई, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र की सड़कों के निर्माण में सभी विभागों को परस्पर सहयोग करना चाहिए ताकि कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। राज्य मंत्री ने एमजेएम विद्यालय से खजूरी बायपास मार्ग के धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और पिपलानी से खजूरी कला बायपास के निर्माण कार्य की गति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सड़कों के निर्माण कार्य की प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए और जे.के. रोड के निर्माण को हर हाल में दिसंबर 2024 के अंत तक पूरा किया जाए। बैठक में 2024-25 के बजट में स्वीकृत बावड़िया कला, पल्लवी नगर से ऋषि नगर, जुबली गेट बीएचईएल से अयोध्या बायपास और रायसेन रोड से सोनागिरी, कल्पना नगर तक सड़कों के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग संजय मस्के, एसडीएम एमपी नगर एलके खरे, एसडीएम गोविंदपुरारवीश श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वित्त विभाग का सख्त कदम

30 करोड़ से ज्यादा के भुगतान के लिए अब लेनी होगी मंजूरी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के वित्त विभाग ने निर्माण और वन विभाग के अफसरों को 30 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान के मामलों में गाइडलाइन के सख्ती से पालन के निर्देश जारी किए हैं।

विभागों को छह माह पहले जारी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही भुगतान के प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। खासतौर से केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) के नाम पर खोले गए बैंक खाते की कॉपी भेजना अनिवार्य किया गया है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित निर्माण कार्यों और वन विभाग के विभिन्न बिलों का भुगतान सिर्फ

वित्त विभाग की अनुमति से ही किया जाएगा। सभी विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि वे भुगतान प्रस्ताव तैयार करते समय गाइडलाइन का पालन करें, ताकि वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित हो सके। वित्त विभाग ने साफ किया है कि गाइडलाइन का पालन न करने पर संबंधित विभागों के भुगतान प्रस्तावों को अस्वीकार किया जा सकता है, जिससे परियोजनाओं और योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विभागीय भुगतान प्रस्ताव में बजट आवंटन और तिमाही समय सीमा का पालन आवश्यक है। इसके साथ ही प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के आदेश की कॉपी और आहरण और संवितरण अधिकारी (डीडीओ) का नाम और कोषालय की जानकारी जहां से राशि निकाली जाएगी, बजट प्रावधान का सर्टिफिकेट, जो यह सुनिश्चित करेगा कि आवंटित राशि शेष है, को पेश करना होगा। विभाग ने यह भी निर्देशित किया है कि अफसर यह सुनिश्चित करें कि निकाली गई राशि बैंक खातों में जमा नहीं की जाएगी, सिवाय केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के। इन योजनाओं की राशि सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) के खाते में ही रखी जाएगी। इसके अलावा, योजना के तहत बैंक खाते की पासबुक की कॉपी भी वित्त विभाग को भेजना आवश्यक होगा।

चैनल गैट गिरने से पांच साल की मासूम की मौके पर मौत, पुलिस जांच में जुटी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मां चैनल गेट खोलने गई इसी दौरान पांच साल की बेटी पीछे-पीछे आ गई। खोलते वक्त चैनल गेट उखड़ गया तथा सीधे मासूम पर जा गिरा। चैनल गेट के नीचे मासूम बुरी तरह से दब गई। मशक्कत के बाद उसे वहां से निकाला गया तथा परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि लखन कुशवाहा अशोक नगर के चंदेरी के पास के रहने वाला है। वह यहां पर रातीबड़ इलाके के कुशलपुरा गांव में एक फॉर्महाउस में चौकीदारी करता है। इसी जगह पर वह परिवार के साथ रहता भी है। मंगलवार को लखन की पत्नी चेनल गेट लगाने के लिए गई थी। इसी दौरान उसकी पांच साल की बेटी वेदांशी भी पीछे-पीछे आ गई। उसने बेटी पर ध्यान नहीं दिया।

इज्तिमा के पहले दिन होंगे निकाह, फॉर्म मसाजिद कमेटी में होंगे जमा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। इस्लामी तरीके और पैगंबर के बताए रास्तों के लिहाज से महंगी शादियों से किनारा करने की बात कही गई है। बड़े मजमे में लाखों लोगों की दुआओं के बीच निकाह की परम्परा को पूरा करने इस साल भी आलमी तबलीगी इज्तिमा के पंडाल में सामूहिक निकाह का आयोजन होगा। इज्तिमा आयोजन के पहले दिन 29 नवंबर को होने वाली इस प्रक्रिया के लिए मसाजिद कमेटी में जमा किए जाएंगे। आलमी तबलीगी इज्तिमा के करीब 77 बरस के इतिहास में हर साल सामूहिक निकाह का रिवाज भी कायम है। देश विदेश से आए उलेमा और लाखों जमातियों की मौजूदगी में होने वाले इन निकाह में दुआओं के शामिल होने की मंशा भी शामिल होती है।

आमतौर पर मुहल्ले के निकाहख्वाह या काजी अथवा मुफ्ती के हाथों होने वाली निकाह प्रक्रिया की बजाए तबलीगी जमात के बड़े बुजुर्गों के हाथों यह काम होना भी लोगों के लिए ललक का विषय होता है।

न सेहरा, न शहनाई...होगी सादगीभरी शादी इज्तिमा के दौरान होने वाले निकाह से सादगी भरी शादी का संदेश देना अहम होता है। बिना सेहरा, शहनाई या किसी तामझाम के दूल्हा इज्तिमागाह पहुंचते हैं। उनके परिजन साथ होते हैं। जबकि दुल्हन अपने घर से ही निकाहनामा पर दस्तखत की फॉर्मेलिटी पूरी कर देती हैं।

ऐसी होगी प्रक्रिया

इज्तिमा में निकाह करने वाले लोगों को अपने क्षेत्र के निकाहख्वाह से कागजी खानापूर्ति कराना होगी। इन दस्तावेजों को मसाजिद कमेटी दफ्तर में जमा करना होगा। इसके अलावा इन दस्तावेजों की एक प्रति तबलीगी जमात के मरकज मस्जिद शकूर खान पर जमा कराना होगा। गौरतलब है कि इज्तिमा के दौरान होने वाले निकाह की तादाद 500 तक पहुंच जाती है।

29 से शुरुआत, 2 को दुआ

आलमी तबलीगी इज्तिमा का आयोजन 4 दिन का होगा। जिसकी शुरूआत 29 नवंबर को होगी। उलेमाओं की तकरीरों वाले इस आयोजन के पहले दिन इज्तिमगाह पर जुमा की नमाज भी होगी, जिसमें लाखों नमाजी शामिल होंगे। इज्तिमा का समापन 2 दिसंबर को दुआ ए खास के साथ होगा।

सम्पादकीय

मोदी और जिनपिंग की मुलाकात अच्छी बात... लेकिन सतर्कता जरूरी

ब्रिक्स की बैठक के बाद पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों के बीच यह वार्ता पांच साल बाद हुई है। मोदी-जिनपिंग के बीच बैठक ऐसे समय हुई जब एक दिन पहले ही भारत-चीन ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त के समझौते पर सहमति जताई। चार साल से चल आ रहे इस गतिरोध को खत्म करने की दिशा में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस दौरे पर हैं। बुधवार को पीएम ने कजान में ब्रिक्स समिट को संबोधित किया। ब्रिक्स की बैठक के बाद पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों के बीच यह वार्ता पांच साल बाद हुई है। मोदी-जिनपिंग के बीच बैठक ऐसे समय हुई जब एक दिन पहले ही भारत-चीन ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त के समझौते पर सहमति जताई। चार साल से चल आ रहे इस गतिरोध को खत्म करने की दिशा में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने पहुंचे। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिए यह मंच तैयार किया गया था। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती दे रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक-फूंककर कदम रखने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नए देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई।

दुनिया को हैरान करेगी भारत-चीन और रूस की तिकड़ी!

भारत और चीन एशिया की दो महाशक्तियां हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिमी देशों से रूस का मोहभंग हो चुका है। रूस एशिया की तरफ देख रहा है। उसने चीन के साथ अपने रिश्तों को बहुत कम समय में मजबूत किया है। भारत-रूस की दोस्ती पुरानी है। अब रूस का प्रयास है कि दोनों दोस्त साथ आकर काम करें और यह तिकड़ी पूरी दुनिया को हैरान करने के लिए काफी है। पुतिन जानते हैं कि अगर चीन के साथ भारत का जमीनी विवाद सुलझ जाएगा तो उनके लिए भी फायदेमंद होगा। साथ ही पश्चिमी देशों के लिए यह बहुत बड़ा झटका होगा।

एशिया के दो बड़े देश हैं चीन और भारत। दोनों में दशकों से विवाद चलता रहा है। चीन भारत का पड़ोसी भी है और प्रतिद्वंदी भी। अपनी विस्तारवाद की पुरानी नीति पर चलने वाले चीन के दुनिया के 22 देशों से विवाद है। चीन अपनी इस आदत को बदलने को तैयार नही हैं। पश्चिमी देश भलीभांति इस बात से वाकिफ हैं कि अगर ये दोनों देश एक साथ एक मंच पर आ गए तो इनसे बड़ी महाशक्ति पूरी दुनिया में नहीं होगी, लेकिन वो ये भी जानते हैं कि इनका एक मंच पर आना असंभव तो नहीं लेकिन आसानी से संभव भी नहीं है। बीते दो दिनों में जो कुछ भी हुआ वो दुनिया के लिए एक बड़ा मैसेज है। वो यह कि चीन और भारत के बीच मतभेदों को दूर करने की कवायद की जा रही है। इसमें कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को भी मिले हैं। यह सब उस वक्त हो रहा है जबकि रूस में ब्रिक्स समिट चल रही है। पीएम मोदी रूस में हैं। वे रूस के कजान शहर पहुंचे ही थे कि चीन ने भी भारत की बात पर मुहर लगाते हुए कहा कि पूर्वी लद्दाख पर एलएसी विवाद पर हम अपनी पुरानी स्थिति पर लौटेंगे। दुनियाभर के एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि इस दोस्ती के पीछे रूस है। रूसी प्रेसिडेंट पुतिन ने ही चीन पर दवाब बनाया है तभी चीन माना होगा। जब तक हमारे पास इसका कोई ठोस सबूत नहीं होगा तब तक हम इसका दावा नहीं कर सकते, लेकिन यह एक्सपर्ट्स का अपना एक ओपिनियन हो सकता है।

अब ब्रिक्स समिट से एक और तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर अपने आप में एक कहानी बयां कर रही है। कोई तस्वीर आजीवन के लिए अमिट हो जाती है। ऐसी तस्वीरों को हम लोग ऐतिहासिक शब्द देते हैं। ब्रिक्स समिट के दौरान डिनर का आयोजन किया गया। डिनर पर ही म्यूजिकल शो भी था। जब भी इस तरह के वैश्विक आयोजन होते हैं तो इसमें बारीक से बारीक चीजों का ध्यान रखा जाता है। प्रोटोकॉल का ध्यान रखा जाता है। कौन नेता कहां बैठेगा, किस तरफ बैठेगा इन सब बातों को बहुत ही बारीकी से परखा जाता है। डिनर के दौरान बीच में रूस के राष्ट्रपति पुतिन बैठे हुए हैं। उनके एक तरफ भारत के पीएम नरेंद्र मोदी और दूसरी तरफ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बैठे हुए हैं। हो सकता है कि यह तस्वीर बाकी देशों के लिए कोई खास न हो मगर जो तीन नेता इसमें शामिल हैं उन देशों के लिए यह बेहद खास है। किसी से यह बात छिपी नहीं है कि दशकों से चीन और भारत के संबंध कैसे रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी लद्दाख को चीन अपनी सरजमी कहता है। यहां के गांवों को वो अपने नाम दे देता है। भारत अगर वहां विकासकार्य कराता तो चीन बयानबाजी करता है। 1962 में हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा देकर उसने हमारे साथ विश्वासघात किया था। भारत का पड़ोसी देश है पाकिस्तान। दहशतगर्दों के लिए जन्नत की तरह यह देश भारत को अस्थिर करने में लगा रहता है। चीन उसका साथ सिर्फ इसलिए देता है क्योंकि वो भारत का दुश्मन है। चीन पाकिस्तान में निवेश कर रहा है, जो भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला है।

इतनी सारी असहजताओं के बावजूद अगर ब्रिक्स समिट के दौरान बीच में पुतिन और अगल बगल भारत और चीन के नेता मौजूद हैं तो ये बड़ी बात है। भारत और चीन एशिया की दो महाशक्तियां हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिमी देशों से रूस का मोहभंग हो चुका है। रूस एशिया की तरफ देख रहा है। उसने चीन के साथ अपने रिश्तों को बहुत कम समय में मजबूत किया है। भारत-रूस की दोस्ती पुरानी है। अब रूस का प्रयास है कि दोनों दोस्त साथ आकर काम करें और यह तिकड़ी पूरी दुनिया को हैरान करने के लिए काफी है।

पुतिन जानते हैं कि अगर चीन के साथ भारत का जमीनी विवाद सुलझ जाएगा तो उनके लिए भी फायदेमंद होगा। साथ ही पश्चिमी देशों के लिए यह बहुत बड़ा झटका होगा। इन सब चर्चाओं को करते हुए हम पाकिस्तान को अभी छोड़ देते हैं। इधर मैं एस जयशंकर की बात का जिक्र करूंगा। एस जयशंकर की छवि पूरी दुनिया में एक तेज तरार्र नेता की बनी हुई है। ऐसा मैं नहीं बल्कि दुनिया के तमाम नेता कह चुके हैं। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने अपनी किताब 'नेव्हर गीव एन इंच - फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव' में एस जयशंकर के बारे में काफी बातें लिखीं थीं। हालांकि यह किताब विवादित भी हुई। इस किताब में पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के लिए गलत शब्द का प्रयोग किया गया था। एस जयशंकर ने इसकी कड़ी आलोचना की थी। एस जयशंकर ने एक दिन पहले एक निजी टेलीवीजन न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान रूस संबंधों को लेकर बड़ी बातें कहीं।

एस जयशंकर ने कहा कि अगर आप इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो 1947 में भारत की आजादी के बाद से सोवियत यूनियन या रूस ने ऐसा कुछ भी नहीं किया, जिससे भारत के हितों पर नकारात्मक असर पड़ा हो। मुझे लगता है कि इस बात से कोई भी असहमत नहीं होगा। यह बड़ा बयान है क्योंकि दुनिया में ऐसा कोई भी देश नहीं है, जिसके लिए इतना बड़ा बयान दिया जा सके। जयशंकर ने कहा कि अभी रूस की स्थिति बिल्कुल अलग है। पश्चिम के साथ रूस का संबंध पटरी से उतरा हुआ है। अभी एक ऐसा रूस है जो एशिया की ओर ज्यादा झुका हुआ है। ऐसे में हमें खुद से पूछना चाहिए कि रूस अगर एशिया की तरफ ज्यादा झुक रहा है तो एशिया में क्या उसके पास ज्यादा विकल्प नहीं होने चाहिए? और एक एशियाई देश के रूप में क्या हमें एशिया में कुछ ऐसा नहीं करना चाहिए जो हमारे राष्ट्र के हित में हो?

जयशंकर ने कहा कि यह साफ है कि रूस में प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। दूसरी तरफ भारत को विकास के लिए इन संसाधनों की जरूरत है। लोग रूस के तेल की बात करते हैं, लेकिन बात केवल तेल की नहीं है। कोयला, उर्वरक और मेटल जैसी कई चीजें हैं। रूस के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने के कई कारण हैं। जयशंकर बातचीत के दौरान ही आगे कहते हुए नजर आ रहे हैं कि अगर आप यूरेशियाई भूभाग को देखें तो रूस, चीन और भारत तीन बड़े देश हैं। तीनों देशों के आपसी अंतरराष्ट्रीय संबंध हैं। रूस हमारे लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक है। भारत और रूस के संबंधों को आप भरोसेमंद कह सकते हैं क्योंकि कई मौकों पर हमने यह पाया है, लेकिन चीन को आप कतई भरोसेमंद नहीं कह सकते। अब पुतिन ही दोनों देशों के बीच विवाद खत्म करना चाहते हैं ताकि उनकी दुविधा भी खत्म हो जाए और अमेरिका सहित पश्चिमी देशों को झटका दे दिया जाए।

भारतीय रिज़र्व बैंक के नए कदम: ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के हितों की रक्षा

भारतीय रिज़र्व बैंक समय-समय पर बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सुधार लाने के लिए नए इनिशिएटिव्स लागू करता है, जिनका उद्देश्य ऋण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और उधारकर्ताओं के लिए सुविधाजनक बनाना होता है। हाल के वर्षों में, ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं दोनों के हितों की रक्षा करने के लिए विभिन्न सुधार किए गए हैं, जो खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुए हैं। इन सुधारों से न केवल ऋण लेने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, बल्कि इससे पारदर्शिता भी बढ़ी है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में स्थिरता आई है। भारत में ऋण प्रणाली में बीते कुछ दशकों में काफी बदलाव आए हैं। पहले बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास अपने मानदंडों के अनुसार ब्याज दरें तय करने की स्वतंत्रता थी, जो उधारकर्ताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती थी। ऋण लेने वाले अक्सर उच्च ब्याज दरों और फोरक्लोजर या पूर्व-भुगतान पर भारी जुर्माने का सामना करते थे, जिससे समय से पहले ऋण चुकाना महंगा हो जाता था। इससे न केवल व्यक्तिगत उधारकर्ता बल्कि छोटे व्यवसाय भी प्रभावित होते थे, जो अपनी वित्तीय संरचना को सुधारने के लिए ऋण लेना चाहते थे। यह स्थिति विशेष रूप से *MSME* क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण थी, जो अक्सर असुरक्षित ऋणों पर निर्भर रहते हैं। *MSMEs* के लिए इन जुर्मानों का बोझ उनकी वित्तीय योजना को बाधित कर सकता था, जिससे वे समय से पहले अपने ऋण का भुगतान करने में असमर्थ रहते थे। ऐसे में भारतीय रिज़र्व बैंक का हस्तक्षेप आवश्यक हो गया।

RBI ने उधारकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस स्थिति को सुधारने की पहल की। इसका पहला महत्वपूर्ण कदम व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को फ्लोटिंग ब्याज दर पर लिए गए ऋणों के समय से पहले भुगतान पर लगने वाले फोरक्लोजर शुल्क से राहत देना था।

इससे पहले, व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को फिक्स्ड और फ्लोटिंग ब्याज दरों पर ऋण चुकाने के समय भारी जुर्माना चुकाना पड़ता था। यह नई नीति उधारकर्ताओं को समय से पहले ऋण चुकाने की स्वतंत्रता देती है, जिससे उन्हें अपने वित्तीय संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलती है। इस पहल का दायरा अब *MSME* सेक्टर तक भी बढ़ा दिया गया है। यह कदम छोटे व्यवसायों को उनकी वित्तीय योजना को अधिक लचीला बनाने और समय से पहले ऋण भुगतान की अनुमति देता है, बिना किसी जुर्माने के। *MSME* क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इस तरह का सुधार इस क्षेत्र को स्थिरता प्रदान करेगा।

MSME क्षेत्र भारतीय *GDP* में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन यह अक्सर असुरक्षित ऋणों पर निर्भर रहता है। असुरक्षित ऋण, जो संपत्ति या अन्य संसाधनों के खिलाफ लिए जाते हैं, अक्सर छोटे व्यवसायों के लिए जोखिम भरे होते हैं। इस नई नीति के तहत, *MSMEs* को अब फोरक्लोजर शुल्क का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे वे अपने ऋण को समय से पहले चुका सकते हैं और जुर्माने से बच सकते हैं। इसके अतिरिक्त, *MSME* क्षेत्र में छोटे व्यवसाय अक्सर अपनी कैश फ्लो स्थिति में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। इस नई नीति से उन्हें अपनी वित्तीय योजना को अधिक सटीक तरीके से प्रबंधित करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपने व्यापार को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही, यह उन्हें नए निवेश के अवसरों का लाभ उठाने और अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा। *RBI* के इन नए कदमों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रीयता को बढ़ावा देता है। उधारकर्ताओं को वित्तीय निर्णय लेने में अधिक सुरक्षा और विश्वास मिलेगा, क्योंकि अब वे यह जान सकते हैं कि उनकी ऋण अदायगी पर कोई छिपे हुए जुर्माने नहीं होंगे। इसके साथ ही, बैंक और अन्य ऋणदाता अब अपने ऋण उत्पादों को इस नई नीति के अनुसार ढाल सकते हैं। उन्हें अधिक प्रतिस्पर्धी और ग्राहक-अनुकूल उत्पाद प्रदान करने की आवश्यकता होगी, जिससे ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच विश्वास बढ़ेगा। इससे बैंकिंग प्रणाली में सुधार होगा, जिससे पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित हो सकेगी। हालांकि *RBI* का यह कदम उधारकर्ताओं के लिए अत्यधिक फायदेमंद है, लेकिन इससे ऋणदाताओं को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। समय से पहले ऋण समाप्त करने पर फोरक्लोजर शुल्क हटाने से बैंकों और *NBFCs* की लाभप्रदता पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, बैंकों को अपने ऋण उत्पादों को अधिक कुशल और लागत-केंद्रित बनाना होगा,

ताकि वे लाभ में बने रहें। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी ऋण पुस्तकें गैर-निष्पादित संपत्ति में न बदलें। इसके लिए उन्हें अपने ऋण उत्पादों की संरचना में सुधार करना होगा और ऐसे ऋणों पर काम करना होगा जो निश्चित और अस्थायी दर वाले ऋणों का संयोजन हों। इससे वे न केवल उधारकर्ताओं के लिए आकर्षक विकल्प प्रदान कर सकेंगे, बल्कि अपनी लाभप्रदता भी बनाए रख सकेंगे। भारतीय रिज़र्व बैंक के ये नए इनिशिएटिव देश की बैंकिंग और ऋण प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार हैं। यह न केवल उधारकर्ताओं के लिए वित्तीय राहत प्रदान करते हैं,

बल्कि बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता और स्थिरता को भी बढ़ावा देते हैं। खासकर *MSME* क्षेत्र के लिए यह कदम अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन्हें वित्तीय लचीलापन और स्थिरता प्रदान करेगा, जो उनकी विकास यात्रा के लिए आवश्यक है। हालाँकि ऋणदाताओं के लिए यह कदम चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक पारदर्शी और स्थिर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। बैंकों और *NBFCs* को अपनी ऋण नीतियों और उत्पादों में बदलाव करने की आवश्यकता होगी, ताकि वे इस नई व्यवस्था में लाभप्रद बने रहें और उधारकर्ताओं के साथ एक स्वस्थ और संतुलित वित्तीय संबंध बनाए रख सकें।

(राजीव खरे स्टेट ब्यूरो चीफ़ छत्तीसगढ़)

क्या भारत और चीन के संबंध 2019 जैसे नहीं होने चाहिए?

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान एक प्रेस वार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने घोषणा की कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त पैटर्न पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तुरंत बाद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सुनिश्चित किया कि भारत-चीन सीमा के इस हिस्से में गश्त गलवान से पहले की अवधि में वापस आ जाएगी। अगले दिन चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि दोनों सरकारें पूर्वी लद्दाख में अपने मुद्दों को हल करने में सक्षम हैं। एलएसी पर जारी गतिरोध कम करने को लेकर इस विकास का भारत में कई लोगों ने स्वागत किया है। अंग्रेजी में कहावत है- डेविल इज इन द डीटेल्स। डीटेल में जाने पर ही समस्या का पता चलता है। दुर्भाग्य से, इस समय गश्त पर समझौते के काम करने के तरीके के बारे में बहुत कम संकेत हैं। कोई यह समझ सकता है कि ऐसे कई उपाय हैं जिन्हें हर सरकार ने करने का वादा किया है और जिन्हें इस प्रक्रिया में अगले चरण से पहले दूसरे पक्ष द्वारा सत्यापित किया जाएगा। भारत और चीन की सेनाओं और सरकारों के बीच विश्वास के निम्न स्तर के साथ, यह कदमों की एक धीमी, कठिन और श्रमसाध्य श्रृंखला होगी।

इसे लागू करने में कई सप्ताह भी लग सकते हैं। यदि यह प्रक्रिया पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति की बहाली की ओर ले जाती है, जैसा कि पीएलए द्वारा 2020 की गर्मियों में अपनी हरकतों को अंजाम देने से पहले था, तो परिणाम भारत के लिए अच्छे होंगे। इससे कम कुछ भी उतने ही सवाल खड़े करेगा जितने गश्त समझौते पर पहुंचने से पहले पूछे जा रहे थे। अगर भारत सरकार संसद के साथ-साथ आम जनता को भी विश्वास में लेती है तो यह दूरदर्शी कदम होगा। भारत जैसे लोकतंत्र के लिए यह हमेशा सबसे अच्छा रास्ता होता है, खासकर चीन के साथ उसके संबंधों में।

भारत-चीन सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखना हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है। दोनों देशों की सरकारों ने इस लक्ष्य पर कड़ी मेहनत की थी और 1990 और 2000 के दशक में हुए कई समझौते इस इच्छा के प्रमाण हैं। यह दृष्टिकोण 2020 की गर्मियों में काफी बदल गया जब चीन की पीएलए ने पूर्वी लद्दाख में सैन्य कार्रवाई की। इस एक कदम ने दोनों देशों के बीच की गतिशीलता को बदल दिया है और पिछले संतुलन को बहाल करने के लिए बहुत सारे पारस्परिक प्रयास करने होंगे। कई आम भारतीय सोचेंगे कि पूर्वी लद्दाख में इस सीमा मुद्दे के सुलझ जाने के बाद हम चीन के साथ पहले की तरह ही व्यवहार कर सकते हैं। आखिर, क्या विदेश मंत्री ने खुद नहीं कहा था कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी, तब तक चीन के साथ संबंधों में सामान्यता नहीं आ सकती?

अब जब समस्या सुलझ गई है, तो क्या भारत और चीन के बीच संबंध 2019 जैसे नहीं होने चाहिए? दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं है। हम 2020 से 2024 के बीच पिछले साढ़े चार वर्षों में चीन के साथ अपने अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन की हरकतों के कारण दोनों सरकारों के बीच विश्वास गंभीर रूप से कम हुआ है। इसे एक बार में एक कदम आगे बढ़ाकर ही फिर से बनाया जा सकता है। पूर्वी लद्दाख से पहले जो विश्वास का स्तर था, उसे वापस पाने में कई साल लगेंगे।

दुर्भाग्य से, भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण में चीन से भारत में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के बारे में अपनी घुमावदार बातों से लोगों को भ्रमित कर दिया। निश्चित रूप से, हमारे वित्त मंत्रालय के ऐसे वरिष्ठ अधिकारी को सरकार में हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों से यह पूछना चाहिए था कि क्या इस विचार को आधिकारिक दस्तावेज में इतने स्पष्ट रूप से व्यक्त करना उचित था। निश्चित रूप से, एक संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण बेहतर होता। ऐसा करना बिल्कुल गलत था क्योंकि इससे चीन को स्पष्ट रूप से संदेश गया कि हमारी सरकार चीनी निवेश के मामले में दो हिस्सों में बंटी हुई है। इस तरह के संकेत ने दिल्ली में चीनी राजदूत और उनके कर्मचारियों को इन विभाजनों का फायदा उठाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया कि भारत चीन के पक्ष में निर्णय ले।

यह मानते हुए कि पूर्वी लद्दाख में गश्त समझौता निर्विवाद है और यथास्थिति की वापसी का संकेत देता है, भारत की तरफ से लिए गए पिछले कुछ फैसले जैसे कि चीनी एप्स पर प्रतिबंध लगाना या चीनी फर्मों को 5जी और 6जी के हमारे विकास में भाग लेने की अनुमति नहीं देना, पर नरमी बरतने का कोई सवाल ही नहीं उठता। हुवावे और जेडटीई को भारत के विकासशील दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर से बाहर रखा ही जाना चाहिए।

इसी तरह, जहां तक चीनी फर्मों द्वारा एफडीआई का सवाल है, प्रेस नोट 3 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ऐसा हो सकता है, लेकिन इसका मूल्यांकन केस-दर-केस आधार पर किया जाएगा। अगर हमने समयबद्ध तरीके से ऐसा करने के लिए पहले से ही शासन संरचनाएं स्थापित नहीं की हैं, तो हमें इसे अभी स्थापित कर लेना चाहिए। भारत में चीनी कंपनियों द्वारा निवेश के लिए मुफ्त लाइसेंस नहीं दिया जा सकता है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी देखा जाना चाहिए।

अनूपपुर में बाजार जाने के लिए निकली नाबालिग बालिका हुई थी लापता

कोतवाली पुलिस द्वारा चन्द घण्टों में शहडोल से दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा गया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 21.10.24 को अनूपपुर निवासी महिला द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी 16 वर्षीय नाबालिग बालिका अनूपपुर बाजार के लिए निकली थी जो घर वापस नहीं आई है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 460/24 धारा 137(2) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिहं एवं महिला प्रधान आरक्षक जया सिहं के द्वारा त्वरित पता

साजी की गई जो घटनास्थल के आस पास लगे हुए सी.सी.टी.वी. कैमरो की फुटेज एवं मोबाईल काल डिटेल के आधार पर लापता नाबालिग बालिका को रेल्वे स्टेशन शहडोल से दस्तयाब किया गया जिसने पूछताछ पर बताई कि वह अपने बहन जीजा से मिलने बिना बताये शहडोल चली आई थी। नाबालिग बालिका को उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया।

रीवा में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनेगा

एरीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में सीएम ने कहा– हेल्थ टूरिज्म भी डेवलप करेंगे

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
रीवा । रीवा में बुधवार को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन का दावा है कि कॉन्क्लेव में 4 हजार उद्योगपतियों ने शिरकत किया। डालमिया ग्रुप, अडाणी ग्रुप, बिड़ला ग्रुप, बालाजी ग्रुप के साथ ही पतंजलि जैसे बड़े नाम इसमें शामिल हुए। कॉन्क्लेव में सीएम ने घोषणा की कि रीवा में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनेगा। संजय दुबरी नेशनल पार्क को इंटरनेशनल लेवल का बनाएंगे। हेल्थ टूरिज्म डेवलप करेंगे। पतंजलि ग्रुप के आचार्य बालकृष्ण ने कहा है कि पतंजलि शुरुआत में रीवा और विंध्य में 1000 करोड़ का इन्वेस्टमेंट करने वाली है। सीएम की अन्य घोषणाएं कटेनर की दृष्टि से एक डीपो नहीं दो डीपो बनाएंगे। एक सिंगरौली में एक कटनी में। यहां से एक्सपोर्ट सुविधा के लिए मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क भी बनाएंगे। सिंगरौली, सीधी, मऊगंज, मैहर में एमएसएमई का नया इंडस्ट्रियल एरिया डेवलप करेंगे। ज रीवा और सतना में मौजूदा एरिया के अलावा नया इंडस्ट्रियल एरिया डेवलप करेंगे। औद्योगिक क्षेत्र वैदन में 84 लाख रुपए की जलापूर्ति योजना रहेगी। हेल्थ टूरिज्म भी डेवलप करेंगे। ये नया प्रयोग होगा। पर्यटन निवेश में अलग से भी प्रावधान करेंगे। अफसरों ने दी विभाग से जुड़ी जानकारी अफसरों ने कॉन्क्लेव में अपने विभाग की ओर से

औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे काम बताए। ऊर्जा विभाग और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर सचिव मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि रीवा की बिजली से दिल्ली की मेट्रो चल रही है। हर जिले में सरकारी बिल्डिंग पर सोलर पैनल लगेगा। बीज को पौथा बनना है तो मि?ट्टी में गाड़ना पड़ता है–सीएम चुनाव का समय नहीं है। पुनित डालमिया से बात कर रहा था। मैं एज ए सीएम की तरह बैठा हूं। मेरा एक–एक अधिकारी भाषण दे रहा है। सीएस से लेकर पीएस तक। मुझे भी मजा आ रहा है। मंत्री बोल रहे हैं। उद्योगपति बोल रहे हैं। बीज से पौधा निकलने की कल्पना करना। पौधे को बनने से पहले बीज को अपने आपको मिट्टी में गाड़ना पड़ता है। अस्तित्व मिटाना पड़ता है। अहंकार निकालना पड़?ता है। हम एक परिवार हैं। कोई सीएम–अफसर नहीं है। सब परिवार की तरह काम करें। और नाराज हो गए सांसद गणेश सिंह रीवा रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव में मंच में बैठने के लिए पीछे कुर्सी मिलने पर सतना सांसद गणेश सिंह नाराज हो गए, इसके बाद सीएम डॉ मोहन सिंह ने सांसद गणेश सिंह को बुलाकर आगे बैठने की व्यवस्था कराई। उद्योगपति रतन टाटा को दी अध्दांजलि: रोगा रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव शुरु होने के पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने जाने माने उद्योगपति रतन टाटा को रंगोली से बनाये गये चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। कॉन्क्लेव में नहीं बुलाने से कांग्रेस विधायक अजय सिंह नाराज रीवा रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में कांग्रेस विधायकों को आमंत्रित नहीं करने पर चुरहट विधायक और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि आज रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में विंध्य क्षेत्र से सभी जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाना चाहिये था। यह आश्चर्यजनक और खेदपूर्ण है कि मुझे न तो इस आयोजन की जानकारी मिली और न ही कोई आमंत्रण राज्य सरकार की ओर से मिला। आज सबेरे जिला प्रशासन सीधी की ओर से मुझसे पूछा गया है कि क्या में इसमें भाग ले रहा हूँ? जाहिर है कि कांग्रेस पार्टी से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ऐसे आयोजन में शामिल करने की सरकार की कतई मंशा नहीं है। यदि मुख्यमंत्री और सरकार चाहती तो यथासमय सूचना और आमंत्रण भेजा जाता। सरकारी आयोजनों में कांग्रेस के विधायकों को आमंत्रित न करना अलोकतांत्रिक और जनविरोधी है। रीवा पहुंचने पर मुख्यमंत्री का हुआ स्वागत, महामृत्युंजय का किया अभिषेक: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किला परिसर में स्थित बाबा महामृत्युंज्य मंदिर में अभिषेक और पूजन कर सभी भक्तों के मंगल हेतु प्रार्थना की। इस दौरान डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सतना सांसद गणेश सिंह, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, विधायक दिव्यराज सिंह एवं अन्य गणमान्यज न उपस्थित रहे। तदुपरांत मुख्यमंत्री ने किला में स्वल्पाहार किया। इसके पूर्व रीवा पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन पादव का एअरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद गणेश सिंह, मंत्री प्रतिमा बागरी, मंत्री राधा सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ रीवा के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल और सूक्ष्म और लघु उद्योग मंत्री चेतन्य कश्यप भी रीवा पहुंचे हैं।

विद्या भारती का राष्ट्रीय खेलकूद समारोह 2024 आज से

सरस्वती विद्यापीठ में उप मुख्यमंत्री करेंगे भव्य शुभारम्भ

पूरे देश मे साढ़े तीन लाख भैया बहन हुए शामिल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
।
सतना. विद्या भारती 1988 से राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता का सतत आयोजन कर रही है। इस वर्ष 35वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह आज 24 अक्टूबर से सतना के सरस्वती विद्यापीठ विद्यालय उतैली में आयोजित करने जा रही है। विद्या भारती को 2007 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य इकाई की मान्यता प्राप्त हुई जिसके बाद से यह संगठन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में सहभागिता कर रहा है।
उक्त जानकारी विद्याभारती खेलकूद विभाग के राष्ट्रीय संयोजक मुखतेज सिंह बदेशा ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में दी इस अवसर पर। इस अवसर पर अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री श्रीराम अरावकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठनमंत्री हेमचन्द्र आयोजन संयोजक विजय यादव सह संयोजक जाग्रत कपूर एवं विद्यापीठ के प्राचार्य सन्तोषमणि शर्मा श्याम लाल गुप्ता श्यामू भी उपस्थित रहे।
श्री बदेशा ने बताया कि इस वर्ष विद्याभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एथलेटिक प्रतियोगिता में पूरे देशभर से लगभग साढ़े तीन लाख छात्र–छात्राएं विद्यालय स्तर से ऊपर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों के बीच यह प्रतियोगिता एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। सतना में चयनित 810 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इस वर्ष पूरे भारत में 32 अलग–अलग स्थानों पर 44 खेल विद्यालयों की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी, जिनमें

एथलेटिक्स के साथ–साथ विभिन्न खेलों का समावेश होगा। सतना में आयोजित इस समारोह का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शारीरिक मानसिक और खेल कौशल के क्षेत्र में निखार देना है।
उद्घाटन समारोह आज श्री बदेशा ने बताया कि आज 24 अक्टूबर सुबह 11 बजे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में एवं विद्या भारती के सह संगठन मंत्री यतीन्द्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में समारोह का भव्य शुभारंभ होगा। आयोजन के विशिष्ट अतिथि सांसद गणेश सिंह होंगे।
भव्य ज्योति यात्रा छोड़ी अमित छाप –ज्योति यात्रा का पुष्प वर्षा से हुआ जगह जगह स्वागत प्रचार समिति के सदस्य श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने बताया कि जन–जन में समारोह का संदेश देने के उद्देश्य से श्री राम दरबार मंदिर सुभाष पार्क से भव्य कलश यात्रा की अगुवाई में ज्योति यात्रा निकाली गई।. विद्या भारती के वरिष्ठ कार्यकर्ता आनंद राव मुखतेज सिंह बदेशा राष्ट्रीय संयोजक विद्या भारती खेल कूद विभाग, श्रीराम आरावकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री हेमचन्द जी क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उत्तरप्रदेश जितेन्द्र सिंह क्षेत्रीय मंत्री मध्य क्षेत्र, संयोजक विजय यादव मणिकांत महेश्वरी रामावतार चमाडिया विभाष बैनर्जी शिव मोहन सिंह सह जागृत कपूर, शैलेन्द्र सिंह प्रदीप ताम्रकार देवेन्द्र माहेश्वरी राजीव व्यास इंजी बलराम गुप्ता शिव नारायण शुक्ला संतोष मणि उपस्थित रहे। जिला सचिव भास्कर भट्टाचार्य.की उपस्थिति में पताका लहराकर यात्रा का श्रीगणेश किया। सरस्वती केशवनगर के भैया बहनों ने खोवा मंडी तक एवं सरस्वती कालीबाड़ी के बच्चों ने वहां से अंबेडकर चौक तक और सरस्वती कृष्णनगर के विद्यार्थियों ने विद्यापीठ मार्ग एवं विद्यापीठ के छात्रों अभिभावक माताओं बहनों ने ज्योति को समारोह परिसर में लाकर श्री हनुमान जी के सम्मुख बने ज्योति स्तंभ में स्थापित की। ज्योति यात्रा के सामने सरस्वती विद्यालयों की विधियां एवं बहाने कलश के साथ चल रही थी। पूरे मार्ग में नगर के पूर्वछात्रों अभिभावकों एवं नागरिक बंधुओ ने पुष्प वर्षा और घंटे घड़ियाल के साथ ज्योति यात्रा का अभिनंदन किया इस अवसर पर विद्या भारती के शीर्ष अधिकारी, गणमान्य नागरिक, पूर्व छात्र–छात्राएं, और सतना के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम न केवल खेलकूद का प्रदर्शन करेगा, बल्कि युवाओं में अनुशासन, सहयोग, और नेतृत्व क्षमता को भी प्रोत्साहित करेगा।

सर्किट हाउस में दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में 3 घायल

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में सर्किट हाउस के पास मंगलवार की शाम एक सड़क हादसा हुआ। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना तब हुई जब रीवा जिले के जोंडौरी निवासी निर्मल विश्वास अपनी ससुराल से लौटते समय रेलवे ब्रिज के बीच में एक पल्सर बाइक से भिड़ गए। दुर्घटना में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल होकर सड़क पर गिर गए। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पल्सर बाइक पर सवार दोनों युवकों के परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर गए, जबकि निर्मल विश्वास को पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, पुलिस ने दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है। हादसे में पल्सर बाइक सवार युवक सिविल लाइन मास्टर प्लान क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या की तर्ज पर चित्रकूट के विकास में भूमि की कमी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, अयोध्या की तर्ज पर अब चित्रकूट के समग्र विकास पर अमल शुरू हो चुका है। चित्रकूट विकास प्राधिकरण के सक्रिय होने के बाद इस पवित्र धाम के सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों में तेजी भी आई है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत भरत घाट, राघव घाट और विश्राम घाट का विकास प्रमुख रूप से कराया जाना है। हालांकि, इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मौजूदा जमीन पर्याप्त नहीं है। इसलिए अतिरिक्त भूमि और मकानों के अधिग्रहण की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए 5.82 करोड़ रुपए के अधिग्रहण प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया है।भरत घाट, राघव घाट और विश्राम घाट में बड़े पैमाने पर विकास कार्य होने हैं। इन कार्यों का समेकित अनुभव आने वाले श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए एक बड़े भू–भाग की जरूरत है। इतना भू–भाग मौजूदा समय में उपलब्ध नहीं है। लिहाजा, इसके लिए यहां पर अधिग्रहण प्रक्रिया की जाएगी। 15 तहत यहां पर लगभग 25 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इससे तीन प्रवेश द्वार, पार्किंग, खोया पाया सूचना केन्द्र, वोटिंग टिकट काउंटर, प्रसाधन कक्ष सहित अन्य नागरिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां का मुय आकर्षण 10.98 करोड़ लागत की एलईडी दीवार होगी। उसमें प्रभु श्री राम की जीवन गाथा और चित्रकूट के आध्यात्मिक महत्व को दिखाया जाएगा। इसी तरह यहां पर प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र से जुड़ी टाइम लाइन दीवार बनाई जाएगी। साथ ही राम की स्मृतियों से संबंद्ध मूर्तियों की श्रृंखला बनाई जाएगी।
अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया योजना के तहत किए जा रहे विकास कार्यों को लेकर भरत घाट, राघव घाट, विश्राम घाट आदि स्थलों में निर्माण एवं विकास कार्य करने सहित 5 साल के लिए ऑपरेशन मेंटीनेंस सहित अतिरिक्त 5 साल के लिए इसे बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी अनापत्ति दे दी है। अन्य विकास कार्यों के लिए भी बड़े पैमाने पर जमीन की आवश्यकता होगी। इसके लिए वन भूमि से जमीन का हस्तांतरण किया जाना है। इसका भी प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है। परिक्रमा पथ विकास के लिए कामता में 15 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता होगी। रजौला में 90 हेक्टेयर, मोहकमगढ़ में हनुमानधारा क्षेत्र विकास के लिए लगभग 200 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। इसके हस्तांतरण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया गया है।

ददिया में एक दिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत ददिया के बड़ चौक में 26 अक्टूबर दिन शनिवार को वैन गंगा क्लब के तत्वाधान में एक दिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ऋषि पंछी राजेन्द्र भलावी सरपंच ग्राम पंचायत ददिया,प्रमुख अतिथि श्रीमती केशर मनीराम भोयर जनपद पंचायत सदस्य,रुपेन्द्र भोयर (उपसरपंच ददिया),पं. अनिल शास्त्री,पं. राजेश दुबे, मनीराम भोयर (पूर्व सरपंच), कृष्णा मोहबे (पुर्व सरपंच),नेतलाल बिसेन (पुर्व सरपंच), ज्ञानचंद मात्रे (पुर्व सरपंच), तुलसी राम बोपचे (पुर्व जनपद सदस्य) रहेंगे। प्रेस को

जानकारी देते हुए समीति उपाध्यक्ष दिनेश कड़ौकर ने बताया कि ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रवेश शुल्क 251 रुपए समीति ने तय कर रखा हुआ है तथा प्रथम पुरस्कार 11001एंव शिल्ड(ग्राम पंचाय द्वारा),द्वितीय पुरस्कार 7001शिल्ड समीति द्वारा, तृतीय पुरस्कार 5001जितेन्द्र आश्वले एंव राकेश भोयर व चतुर्थ पुरुस्कार 2001शिल्ड समीति द्वारा विजेता टीमों को प्रदान किया जायेगा। वहीं उक्त कार्य को सफल बनाने हेतु समीति का भी गठन किया गया है जिसमें जितु आश्वाले राकेश भोयर अध्यक्ष,दिनेश कड़ौकर रुपेन्द्र कडौकर उपाध्यक्ष,बंटी भोयर हेमराज भोयर कोषाध्यक्ष,जितेंद्र धार्मिक खिलेन्द्र सपाटे सचिव व खेल समन्वयक लव पटेल रहेंगे। वहीं निर्णायक समिति में प्रमुख रूप से उमेश (बंटी) सपाटे, रवि शंकर उइके, भीमराव ठाकरे, खेमलाल वरकड़े, श्रीराम तुमसरे, हंसराज भोयर, महेन्द्र राघुरते। गणमान्य गण – विनोद बुराड़े, हंसराज भोयर,रामधनी सपाटे, राधेश्याम खोब्रागढ़े,टेकराम आश्वाले,नरेंद्र भोयर, प्रमोद हरिनखेडे,दुर्गा जी आश्वले, देवराज कड़ौकर,लेखराम बनकर,अशोक सपाटे,प्रेमलाल राजुरकर,बाबूलाल नागलेकर, दिनेश बिसेन,राजेन्द्र भलावी, रोहित बोपचे,गणेश आश्वाले,सोमू आश्वाले,अभिमन्यु ढबाले,नवीन कडौकर,शिव ठाकरे,डिलेन्द्र भोयर। संयोजक समीति में प्रमुख रूप से चन्दु आश्वाले,अमित रन्देवे,विजय सहारे,देवेन्द्र उइके, देवेन्द्र नान्दने,रैखेन्द्र बोपचे, आत्माराम ठौकर,सतीष बोपचे,समंत मस्ताराम,अतुल ठाकरे,मोहित ढांडें,दिनेश भोयर, हिमांशु आश्वाले,खिलेन्द्र बिसेन,अनुराग तिड़के,चायनीश गोमासे,विशाल झीरसागर, धनेन्द्र ढबाले,मोनु आश्वाले, आदित्य खंडाते,बलराम लांझेवार,यश कोल्हे,विक्की भोयर,आसु चौहान,अभय बुराडे,दीपक बुराडे,करण उइके,विशाल पंचेश्वर, मोहित भोयर, हिमांशु ढबाले, सुनील नेवारे,वंश तिडके,पियुष हरिनखेड़े व पियुष सपाटे रहेंगे। वहीं समीति ने खिलाड़ियों के लिए लिए नियम शर्तें तय कर रखे हैं जिसमें समीति का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा,सभी मैच मैट ग्राउंड पर ही खेले जाएंगे, सभी खिलाड़ियों को आधारकार्ड लाना अनिवार्य है, प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को चोट लगने पर वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे,प्रो कबड्डी के सभी नियम लागू होंगे,सभी खिलाड़ी एक हि गांव के होंगे,एंट्री रात के 10.30 तक ली जायेगी।

30 अक्टूबर को राम जानकी मंदिर के पास जय मां मनोकामना का आगमन पांचवें वर्ष में प्रवेश

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, धर्म प्रेमी,सामाजिक,जागरूक नागरिक शुभम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जय मां मनोकामना का आगमन 30 अक्टूबर 2024 को राम जानकी मंदिर अनूपपुर के पास होने जा रहा है।उन्होंने बताया कि जय मां मनोकामना का पांचवें वर्ष में प्रवेश हो रहा है।बताया कि मां मनोकामना का भव्य दरबार इस वर्ष भी सजाया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 30 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को बाजे,गाजे के साथ मां का भव्य आगमन होगा।दिनांक 31 अक्टूबर 2024 दिन गुरूवार को विशेष पूजन हवन एवं आरती रात्रि 12.00 से सुबह 5.00 बजे तक होगी। दिनांक 01 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार प्रात: 11.00 बजे से कन्या भोजन एवं विशाल भंडारा,शाम 7 बजे ढोल बाजों के साथ मां की संध्या कालीन भव्य महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण एवं भक्ति मयी संगीतों के साथ ममता भरा देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित होगा।दिनांक–02 नवम्बर 2024 दिन शनिवार को नम आंखों से मां की विदाई की जाएगी। उन्होंने सभी नगर वासियों धर्म प्रेमियों से अपील की है कि सभी नगर वासी प्रत्येक कार्यक्रम में अपना अमूल्य समय निकालकर मां के भक्ति के रंग में रंग जाएं एवं मां के भव्य कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए एवं इस कार्यक्रम की भव्यता एवं शोभा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारी समिति को आप सभी नगर वासियों का प्रेम,स्नेह, सहयोग एवं अमूल्य समय जरूर प्राप्त होगा।जिससे यह कार्यक्रम भव्यता के साथ सफल होगा।एवं आने वाले प्रत्येक वर्षों के लिए हम सभी का उत्साह बढ़ेगा।जिससे हम सभी आने वाले वर्षों में भी इस पूजन को और भी भव्य रूप से सफल करने के लिए अग्रसर होंगे।मां मनोकामना का आशीर्वाद आप सभी पर सदैव बना रहे। मां भगवती से यही प्रार्थना रहेगी कि वह हम सभी की सदैव बिगड़ी बनाएं एवं हम बच्चों को अपनी सेवा में सदैव लगाए रखें।

फिर शर्मशार हुआ शिक्षक जैसा उच्च पद

श्रीनिवास पटेल जन शिक्षक ने महीला के साथ की छेड छाड, पुलिस अधीक्षक से हुई शिकायत

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर। राजेन्द्रग्राम, संकुल केन्द्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमदरी में एक महिला रसोई व झाड़ू पोछा का कार्य करती है । महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को लिखित शिकायत दी गई द्य जिसमें उल्लेख है कि घटना दिनांक 27/9/ 2024 को शारीरिक संबंध बनाने का असफल प्रयास धमकी पूर्ति प्रलोभन एवं पूर्व वर्ष 2022 में कन्या छात्रावास अमदरी में बलात्कार शारीरिक संबंध स्थापित कर लिया और निरंतर आए दिन परेशान करता रहता है। मै प्रार्थिया आदिम जनजाति वर्ग से गोंड जनजाति की विधवा एवं गरीब महिला हूं मेरे पति की मृत्यु वर्ष 2023 में हो चुकी है। और मेरी चार बच्चे मेरे साथ में रहते है,जिनका भरण पोषण मेरे द्वारा मेहनत मजदूरी करके किया जाता है । अन्य स्रोत नहीं है मुझे कन्या छात्रावास अमदरी में वर्ष 2020 में रसोईया के कार्य में विद्यालय द्वारा रखा गया है। घटना दिनांक 27.9.24 को मैं विद्यालय में सफाई का कार्य कर रही थी उसी दिन कम बच्चे विद्यालय आए थे। उस दिन परीक्षा भी चल रही थी जिससे सभी बच्चे अन्य कमरों में थे मैं खाली पड़े कमरे में सफाई कर रही थी तभी विषय अंकित व्यक्ति अंदर घुस आया और बोला कि थोड़ा ढंग से सफाई करो और कहते हुए दरवाजे को बंद कर लिया मेरी तरप गलत नीयत से आगे बढने लगा और मुझे वहीं पीछे पकड़ कर बेंच में पटक दिया और मेरी कपड़े ऊपर कर अपना पेंट खोलकर मेरे साथ गलत संबंध बनाने का जबरन बल पूर्वक प्रयास करने लगा लेकिन मेरे प्रतिरोध करने से वह उक्त कार्य में असफल रहा और वहां से यह धमकी देते हुए भाग गया कि मैं तेरे को काम से निकलवा दूंगा किसी को जानकारी शिकायत नहीं देना जिसकी शिकायत मैं रोते हुए बाहर निकाल कर आया और प्रचार्य महोदय जी श्री नारायण सिंह आर्मो के कक्षा में गई तो उन्होंने पूंछा तो मैंने सारी घटना बताई जिन्होंने विषय अंकित को डाट और समझौता करने का आश्वासन देकर मुझे घर भेज दिया इसके बाद में दिनांक 3.10.2024 को राजेंद्रग्राम जाकर वीईओ साहब श्री सतीश तिवारी जी को घटना बताई और उनसे कार्रवाई करने तथा न्याय दिलाए जाने की मांग की तो उन्होंने तत्काल अपने मोबाइल फोन पर विषय अंकित पटेल शिक्षक से संपर्क बात करने का प्रयास किया किन्तु फोन लगाने पर भी वह उनका फोन नहीं उठाया फिर भी मैं घर वापस आ गई और दूसरे दिन अपने भविष्य से रोजी रोजगार की सुरक्षा की दृष्टि से मजबूरन होकर दिनांक 4 अगस्त 2024 को थाना कारन पठार जाकर पुलिस में आप बीती बताई तो महिला पुलिस वाले ने अपने हाथ से एक आवेदन बनाया और मेरे से दस्तकत कराई और वह बोली कि तुम्हारे समाज में बदनामी होगी और पति भी नहीं है द्य जिससे तुम्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इसलिए हम मास्टर को यही बुलाकर समझौता और डांट डपट देंगे और यह कहकर मुझे वापस कर दिया और मेरी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई । यह की इसके पूर्व भी पटेल शिक्षक जो रीवा जिले का मूल रूप से रहने वाला है और काफी राजनीतिक प्रभाव वाला व्यक्ति है जो मुझे काफी समय से तंग वह परेशान कर रखा है वर्ष 2022 माह फरवरी में छात्रावास में मेरे साथ जबरन बलपूर्वक मेरा शारीरिक शोषण किया प्रतिरोध करने पर मेरे शरीर में छोटे भी आई थी जिसके निशान दाहिने हाथ के कोहनी में मौजूद है घटना की शिकायत प्रचार्य श्री नारायण आर्मो को की थी जिन्होंने विद्यालय की बदनामी से बचने के लिए मुझे समझौता कर रिपोर्ट नहीं देने के लिए मना करने लगे और मुझे कन्या छात्रावास से हटाकर हायर सेकेंडरी स्कूल में कर दिए और इस प्रकार से व्यक्ति मुझे जीना दूबर कर दिया है और मेरे वह मेरे बच्चों को जीविका भरण पोषण व उनके भविष्य पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है मैं बच्चों के लिए जी रही हूं वरना मेरा मर जाना ही उचित होती फरियादि द्वारा उक्त व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा जान माल की सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है

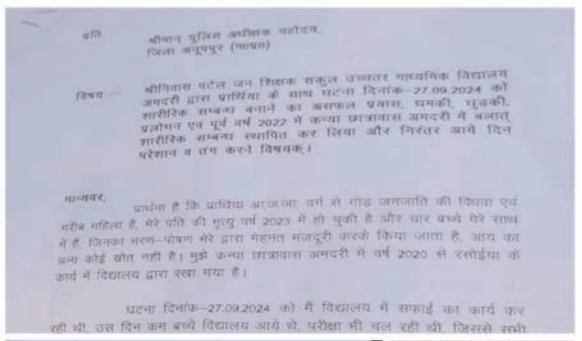

बिजुरी नगर पालिका परिषद के कार्यों का सभी पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनुपपुर, नगरपालिका परिषद बिजुरी द्वारा नवगठित परिषद कार्यकाल के दौरान लोक एवं नगरहित में भिन्न-भिन्न विकाश कार्यों को गति देने के लिए समय दर समय आवश्यक कदम उठाया गया। जिसका परिणाम अब जाकर धरातल पर फलीभूत होता नजर आ रहा है। नगरपालिका परिषद बिजुरी कि अध्यक्षा सहबिन पनिका एवं उपाध्यक्षा प्रीति सतीश शर्मा ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन कुमार साहू सहित अभियंता देवल सिंह एवं वार्ड प्रतिनिधियों से आपसी चर्चा कर नगर विकाश में गम्भीरता दिखाया गया था। जिस पर सभी ने आपसी सहमति बनाकर नगर क्षेत्रांतर्गत लोकहित में कराए जाने वाले भिन्न-भिन्न विकाश कार्यों का खाका तैयार कर परिषद के प्रस्ताव में पास कराते हुए उच्च स्तरीय प्रशासनिक अमला को भेजा गया। जहां शासन-प्रशासन ने परिषद के विभिन्न कार्यों कि स्वीकृति प्रदान किया गया।

शासन-प्रशासन के नियमानुरूप प्रारम्भ हुए कार्य- प्रशासनिक आदेश प्राप्त करने पश्चात नगरपालिका परिषद बिजुरी द्वारा शासन-प्रशासन के नियमों का पालन करते हुए सभी कार्यों का निविदा प्रकाशित करा, कार्य हेतु ईच्छुक लोगों को आवश्यक दस्तावेज के साथ आमंत्रित किया

गया। जिससे विभिन्न कार्यों के लिए भिन्न-भिन्न लोगों ने टेण्डर प्रक्रिया का पालन करते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य आदेश प्राप्त कर कार्य प्रारंभ किया गया।

सभी कार्यों का समीक्षा करने पहुंचे परिषदगण- ग्राम पंचायत बिजुरी का अस्तित्व नगर परिषद बिजुरी के रूप में उन्नयन होने पश्चात से स्थानीय लोगों कि मुख्य समस्या शुध्द पानी कि ही रही है, जिसके लिए वर्षों से स्थानीय लोग जूझते भी रहे हैं। किन्तु नगरवासियों कि इस मुख्य समस्याओं पर कयी बार राजनैतिक लोगों द्वारा लाभ उठाकर महज अपना उल्लू सीधा किया गया। जिससे स्वयं को ठगा सा महसूस करते हुए स्थानीय लोगों ने शुध्द पेयजल कि आस ही खो दिए थे। किन्तु वर्तमान परिषद के कार्यकाल में लोगों के इस समस्या को गम्भीरता से संज्ञान में लिया गया, मसलन कार्य भी प्रारम्भ हो गया। जिसका समीक्षा करने नगर कि प्रथम एवं द्वितीय नागरिक अर्थात नपा अध्यक्षा एवं उपाध्यक्षा ने वार्ड प्रतिनिधि सहित परिषद के अधिकारी कर्मचारी सहित केंवई नदी स्थित कार्य स्थल पर पहुंचकर कार्यों का समीक्षा किया गया। और सम्बंधित ठेकेदार को सही समय पर कार्य पूर्ण कराने का आदेश भी दिया गया।

भिन्न-भिन्न वार्डों के कार्यों का भी किया गया समीक्षा- वार्ड क्रमांक 15 स्थित भवनिया तालाब के सौंदर्यीकरण वार्ड क्रमांक 01 मौहरी से लोहसरा सड़क मार्ग सहित वार्ड क्रमांक 13 स्थित कोरजा रोड से खूंटाटोला एवं बहेराबांध फिल्टर प्लांट का समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित ठेकेदारों को कार्य अवधि पर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

मंत्री ने भी नगर विकाश पर दिखाया था गम्भीरता- प्रदेश सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने गृह नगर बिजुरी के विकाश पर गम्भीर चिंतन व्यक्त किया गया था। साथ ही समय-समय पर परिषद कर्मचारियों एवं वार्ड प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर नगर विकाश पर गम्भीरता से कार्य कराने के लिए निर्देशित भी किया गया था। लिहाजा राज्यमंत्री के मंशाओं पर गम्भीरता दिखाते हुए नपा परिषद बिजुरी द्वारा सभी आवश्यक कार्यों पर विचार विमर्श कर उन सभी कार्यों को कराने के प्रति आतुरता दिखाई गयी। जो अब धरातल पर फलीभूत होने लगा है।

सरकार के आदेश व बयान के खिलाफ एकजुट हुए पंचायत सचिव व रोजगार सहायक संघ

संयुक्त मोर्चे ने अपने अधिकारों के हनन को लेकर रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । बालाघाट, मध्यप्रदेश पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायक सहायक संगठन संयुक्त मोर्चा ने 23 अक्टूबर दिन बुधवार को जिला मुख्यालय में एकत्रित होकर व सरकार के आदेश के खिलाफ रैली निकालकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां पर सभी सचिव व ग्राम रोजगार सहायक संगठन संयुक्त मोर्चा ने कलेक्टर कार्यालय में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन पत्र सौंपे है। वहीं ज्ञापन पत्र में उल्लेख है कि विभिन्न समाचार पत्रों के द्वारा ज्ञात हुआ कि मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन लिखने के अधिकार ग्राम पंचायत के सरपंचों को प्रदान किए जा रहे हैं इस खबर से पुरे प्रदेश में ग्राम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों में खेद सहित रोष व्याप्त हो गया है ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक रुप से सचिव और ग्राम रोजगार सहायक शासन कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को नि:स्वार्थ बिना किसी के दबाव में आये आम जनमानस तक पहुंचाते हैं ऐसे में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा उठाए जा रहे इस कदम से पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों के द्वारा नियमों के तहत किये जाने वाले विभिन्न कार्य दबाव में आकर प्रभावित हो सकते हैं यही नहीं गोपनीय प्रतिवेदन सरपंचों के द्वारा लिखे

जाने से मध्यप्रदेश कि बहुतायत ग्राम पंचायतों में विवाद कि स्थिति बन सकती है उपरोक्त कारणों से यह आवश्यक है कि ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन पुर्णतः शासकीय कृत होकर पंचायत सचिवों के ए सी आर में प्रथम मत पंचायत समन्वय अधिकारी अथवा खंड पंचायत अधिकारी के द्वारा दर्ज किया जाये एवं समीक्षा कर्ता अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को तथा स्वीकृत कर्ता अधिकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बनाया जाना चाहिए तथा ग्राम रोजगार सहायकों के लिए म प्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद के पत्र क्रमांक 2677 दिनांक 15/4/2017 के अनुसार वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन हेतु नियत अधिकारी पुर्ववत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को हि रखा जाना चाहिए। सहित मांगों को लेकर जिले के सचिव व रोजगार सहायक एक जुट होकर संगठन के माध्यम से ज्ञापन सौंपे हैं।

सरकार के आदेश के खिलाफ एकजुट हुए सचिव व जीआरएस विदित हो कि विगत दिनों पुर्व हि मध्य प्रदेश शासन के पंचायत मंत्री ने एक बयान दिए थे जिस बयान से पंचायत सचिवों व रोजगार सहायकों में विरोध देखा जा रहा है तथा बालाघाट जिले कि सभी 630 ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायक संगठन ने रैली निकालकर ज्ञापन पत्र सौंपकर उस बयान का विरोध जता दिया है तथा पंचायत सचिवों व रोजगार सहायकों कि मांग है कि पुर्व कि भांति ही आदेश यथावत रहना चाहिए नहीं तो कार्य करने में परेशानी जायेगी।

इनका कहना है

माननीय पंचायत मंत्री महोदय जी का एक आदेश समाचार पत्रों के माध्यम से आया है कि सचिव व ग्राम रोजगार सहायक का सी आर है गोपनीय प्रतिवेदन रहता है वह सरपंच के माध्यम से बनेगा व उनके हस्ताक्षर होंगे हम उसकी पुरी पुरी निंदा करते हैं ऐसा आदेश नहीं होना चाहिए पुर्व से जो प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से जो साईन होकर जो आदेश बनता था प्रतिवेदन उसी प्रकार से अभी वह व्यवस्था कायम रहना चाहिए उसी बात का विरोध करने के लिए हम लोग आज ज्ञापन सौंपे हैं।

जितेन्द्र चित्रीव जिला अध्यक्ष

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन

माननीय पंचायत मंत्री द्वारा जो घोषणा कि गई है कि सचिव व ग्राम रोजगार सहायक इनकी एसी आर व सी आर लिखने कि अधिकार जनप्रतिनिधियों को सौंपे जायेंगे उनके इस घोषणा के विरोध में माननीय कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए अभी तो घोषणा मात्र है माननीय मंत्री के द्वारा हमने भी सांकेतिक रूप से ज्ञापन दिया है संगठन के माध्यम से हमारा विरोध है मीडिया के माध्यम से कलेक्टर महोदय के माध्यम से कि इस आदेश को लागू ना किया जाए, लागू ना किया जाए कि स्थिति में पुर्व यथावत रखा जाए ताकि कहीं कोई मतभेद कि स्थिति निर्मित ना हो यदि ये लागू होता है तो हमारे लिए कर्मचारी जगत के लिए यह बड़ी निंदनीय नीति है बहुत तकलीफ़ देय नीति है.

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र देवरी क्र.-3 का किया निरीक्षण

राशन स्टॉक रजिस्टर में विधिवत इन्ट्री नहीं होने पर कलेक्टर ने व्यक्त की नाराजगी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत देवरी के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-3 का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र के संचालन एवं बच्चों को वितरित किए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने राशन स्टॉक रजिस्टर का भी निरीक्षण किया तथा राशन स्टॉक का विधिवत संधारण नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं कलेक्टर ने ग्राम पंचायत देवरी के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रामीण कौशल्या बैगा एवं कोण बाई बैगा ने कलेक्टर को अवगत कराया कि राशन दुकान ग्राम देवरी से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां राशन लेने जाने पर समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन्होंने कलेक्टर से हर घर राशन योजना के अंतर्गत गांव में ही राशन मुहैया कराने की बात कही, जिस पर कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान देवरी के विक्रेता को सप्ताह में एक बार ग्रामीणों को हर घर राशन योजना के अंतर्गत घर पर ही राशन वितरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से ग्रामों में मिलने वाली अन्य विभिन्न सुविधाओं के

संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी का किया निरीक्षण कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी का निरीक्षण किया तथा अक्टूबर एवं नवंबर माह के राशन भंडारण तथा वितरण के स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने नवंबर माह के राशन अलॉटमेंट की भी जानकारी राशन दुकान संचालक से प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चावल की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने इंदिरा महिला स्व सहायता समूह एवं गजलक्ष्मी स्व सहायता समूह के सदस्यों से राशन आवंटन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिस पर स्वसहायता समूह की सदस्यों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि उन्हें समय पर राशन प्राप्त हो जाता है, उन्हें किसी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। इस दौरान कलेक्टर ने राशन दुकान विक्रेता को हितग्राहियों को समय पर राशन मुहैया कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खोली के मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का लिया जायजा कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज ग्राम पंचायत देवरी के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खोली में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। भोजन की गुणवत्ता बेहतर पाए जाने पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान कलेक्टर ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री विनय कुमार शुक्ला से शिक्षकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की, जिस पर प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय में कुल 6 शिक्षक हैं, जिनमें तीन प्राथमिक एवं तीन माध्यमिक शिक्षक हैं। इस दौरान कलेक्टर ने विद्यालय के साफ-सफाई एवं पुताई कराने के भी निर्देश प्रधानाध्यापक को दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी श्री वेदमणि मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

क्षेत्र स्तरीय एथलेटिक्स बालक/बालिका 14, 17, 19 वर्ष प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, जनजातीय कार्य विभाग अनूपपुर के तत्वाधान में क्रीड़ा परिसर अमरकंटक के मैदान पर सोमवार एवं मंगलवार को क्षेत्र स्तरीय एथलेटिक्स बालक/बालिका 14, 17, 19 वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहडोल, सीधी और अनूपपुर जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयनित प्रतिभागी विभागीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अलीराजपुर जिले के लिए रवाना हो गए हैं। जिला प्रशासन ने चयनित प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रतियोगिता के कुशल संचालन हेतु अनूपपुर जिले के व्यायाम शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

25 अक्टूबर 2024 को होगा कोतमा के पथरौड़ी में राजस्व एवं जन कल्याण शिविर

राजस्व संबंधी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा

अनूपपुर, जिला प्रशासन द्वारा तहसील कोतमा के ग्राम पंचायत पथरौड़ी में शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 को ग्राम पंचायत परिसर में राजस्व सहित जन समस्याओं के निवारण के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में ग्राम पंचायत पथरौड़ी सहित नगरीय निकाय कोतमा तथा ग्राम पंचायत कल्याणपुर, गोहन्ड्रा, चंगेरी, पैरीचुआ, बसखली, ठोड़हा के नागरिकगण लाभान्वित हो सकेंगे। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने तहसीलदार कोतमा व जनपद जनपद पंचायत कोतमा के सीईओ एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी कोतमा को शिविर के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिविर में जन समस्या रजिस्टर एवं राजस्व प्रकरण रजिस्टर संधारित करते हुए प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है। शिविर में नामांतरण, बंटवारा, राजस्व संबंधी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। संबंधित ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय के नागरिकगणों से राजस्व एवं जन कल्याण शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

सिविल बार एसोसिएशन ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने और मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य मांगों को लेकर एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, सिविल बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए विधि आयोग में विचाराधीन एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने और मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य मांगों को लेकर एसडीएम देवबंद दीपक कुमार के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा है। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन एसडीएम दीपक कुमार को सौंपा। जिसमें उन्होंने पीएम से अधिवक्ताओं को मूलभूत सुविधाएं दिए जाने, प्रदेश के अधिवक्ताओं को बैठने के लिए स्थायी चैंबर व वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था कराए जाने, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा लोक कल्याणकारी योजनाओं में प्रदेश के अधिवक्ताओं को शामिल कर उन्हें सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने, प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में कार्यरत बगैर विधि स्नातक पीठासीन अधिकारियों को विधि स्नातक से संबंधित अध्ययन व उपाधि लिए जाने के लिए कार्रवाई करने, त्याग और समर्पण को देखते हुए अधिवक्ताओं को राज्यसभा एवं विधान परिषद में अधिकाधिक सीट आरक्षित किए जाने सहित अन्य मांगे की हैं। ज्ञापन देने वाले अधिवक्ताओं में बालकिशोर त्यागी, आदित्य कुमार, अमित सिंघल, प्रदीप, सुशील कुमार, अशोक, राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

टॉपर बालिकाओं ने एक दिन के लिए सांकेतिक रूप से संभाली जनपद की बागडोर

जिलाधिकारी यशवी कुश, एसएसपी तनु रानी, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता ने की जनसुनवाई, समस्याओं के यथाशीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षा परिषद की इण्टरमीडिएट की परीक्षा में जनपद की टॉप-10 सूची में सम्मिलित बालिकाओं को सांकेतिक एक दिन की जिलाधिकारी कार्यक्रम के अवसर पर सरस्वती सदन इण्टर कॉलेज, सबदलपुर की बालिका यशवी कुश को जिलाधिकारी बनाया गया। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएँ दी गयी तथा बालिकाओं को कडी मेहनत कर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। आदर्श इण्टर कॉलेज, तल्हेडी बुजुर्ग की बालिका तनु रानी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शान्ति देवी इण्टर कॉलेज नकुड़ की बालिका अंकिता को मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। किसान मजदूर इण्टर कॉलेज, शाहजहाँपुर की बालिका सिमरन को अपर जिलाधिकारी प्रशासन, दिलाराम सैनी इण्टर कॉलेज रामपुर कला की बालिका खुशी चौहान को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सरस्वती सदन इण्टर कॉलेज, सबदलपुर की बालिका अंशिका मंढार को नगर मजिस्ट्रेट, पब्लिक इण्टर कॉलेज, साढौली कदीम की बालिका तनुजा को जिला विद्यालय निरीक्षक, इण्टर कॉलेज, टांको, सुन्दरपुर की बालिका तनु काम्बोज को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, किसान मजदूर इण्टर कॉलेज, शाहजहाँपुर की बालिका अंशिका को जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं आर0जी0 इण्टर कॉलेज, ताल्हापुर की बालिका वंशिका सैनी को जिला प्रोबेशन अधिकारी बनाया गया है। इस अवसर पर समस्त बालिकाओं द्वारा अपने-अपने कार्यालय में बैठकर सांकेतिक रूप से जनसुनवाई की गयी तथा अधिकारियों से सम्बन्धित कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश मिश्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक हर्षदेव स्वामी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुश्री कोमल, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्दलाल उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ग्राम केल्हौरी में जिला स्तरीय जन आकांक्षा अभियान शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

शिविर में 256 आवेदन हुए प्राप्त, जिनकी मौके पर की गई सुनवाई

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम केल्हौरी में आज जिला स्तरीय जन आकांक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने ग्राम पंचायत पड़मनिया सहित ग्राम धिरौल, चिल्हारी, डोंगराटोला, चकेठी, चिल्हौरी, देवरी, देवहरा एवं वरगवां (अमलाई) ग्रामों के ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त करते हुए समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिए। शिविर में 256 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों के निराकरण हेतु समय सीमा निर्धारित करते हुए कलेक्टर ने समय सीमा में आवेदनों के निराकरण संबंधी निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए। शिविर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अजीत तिर्की, मुख्य कार्यपालन

अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी श्री वीरेंद्र मणि मिश्रा, तहसीलदार श्री अनुपम पांडेय, श्रीमती रश्मि खरे, श्री फुक्कु सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।कलेक्टर ने शिविर में कहा कि शासकीय योजना का धरातल पर क्रियान्वयन हो रहा है या नही, कही कोई कमियां हैं तो उन्हे चिन्हित कर निराकरण करना शिविर का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे तथा सुविधाएं व योजना का लाभ ग्रामीणों को उपलब्ध कराने के प्रयास करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि ग्रामों की कमियों को चिन्हित करके रजिस्टर में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की अपनी समस्याओं के संबंध में उनके अपने ही गांव में समाधान मिले, इसका प्रयास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी समस्याओं का ग्राम में ही निराकरण करने पंचायत में स्थायी रजिस्टर संधारित होगा। जिसे वह स्वयं भी देखेंगे। उन्होंने पटवारियों को राजस्व के मामले का पंचायतवार रजिस्टर संधारित करने व दर्ज प्रकरणों का समुचित समाधान किए जाने के निर्देश दिए। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, पशुपालन विभाग, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन, राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए थे। जिनके माध्यम से ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का मौके पर आयोजन किया गया, जहां लगभग 128 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई।

कलेक्टर ने की सोयाबीन उपार्जन तैयारी की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शासन के निर्देशानुसार 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2024 तक समर्थन मूल्य पर होने वाले सोयाबीन उपार्जन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा कलेक्टर ऋजु बाफना ने की। अनुविभागीय अधिकारियों को खरीदी केंद्रों का निर्धारण कर रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया। वर्तमान में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन विक्रय के लिए जिले में 81 हजार 223 हेक्टेयर क्षेत्र के 34387 किसानों द्वारा पंजीयन किया गया है। कलेक्टर ने खरीदी करने वाली एजेंसियों को निर्देश दिए कि फेयर एवरेज क्वालिटी एनऊएक्यू के ही सोयाबीन का उपार्जन करें। सोयाबीन खरीदी के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें। खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता

भी सुनिश्चित करें। किसानों से प्रति हेक्टेयर 10 क्विंटल सोयाबीन का क्रय किया जाएगा। शासन द्वारा सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 रुपए निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि सोयाबीन उपार्जन वास्तविक पंजीकृत किसानों से ही किया जाए। वास्तविक किसान के अतिरिक्त यदि कोई उपार्जन या विक्रय करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वे समय पर रकबे का सत्यापन कराना सुनिश्चित करें एवं पूर्व से गोदामों में भण्डारित सोयाबीन का सत्यापन कराएं। साथ ही कलेक्टर ने सीईओ सीसीबी को निर्देश दिए कि वे बैंकों में वित्तीय तरलता रखें, ताकि किसानों को नगद भुगतान प्राप्त हो सके।

एफएक्यू के मापदण्ड समर्थन मूल्य पर उपार्जित की जाने वाली सोयाबीन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फेयर एवरेज क्वालिटी का निर्धारण किया गया है, जिसके अनुसार सोयाबीन में नमी 12 प्रतिशत से कम होना चाहिए। सभी खरीदी केंद्रों पर नेफेड या एनसीसीएफ सर्वेयर रहेंगे जो कि सोयाबीन की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे। साथ ही खरीदी करने वाली सभी पैक्स संस्था के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। कलेक्टर ने सोयाबीन विक्रय करने आने वाले पंजीकृत किसानों से अनुरोध किया है कि वे सोयाबीन को सूखाकर एवं छानकर ही विक्रय के लिए लाएं। फेयर एवरेज क्वालिटी की ही सोयाबीन की खरीदी की जाएगी। बैठक में सहायक कलेक्टर शिवम यादव, अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोलंकी, उपसंचालक कृषि केएस यादव, उपायुक्त सहकारिता ओपी गुप्ता, सीईओ सीसीबी विशेष श्रीवास्तव, खरीदी ऐजेंसी मार्कफेड जिला प्रबंधक जेनीफर खान सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इस्लामिया डिग्री कॉलेज देवबंद में फ्री मेडिकल शिविर एवं दवाई वितरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

कैंप में करीब 300 रोगियों की शुगर, बीपी, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, आंखों, त्वचा रोग,नाक, कान, गला रोग की जांच की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर । देवबंद, इस्लामिया एजुकेशनल एंड चैरिटेबल सोसाइटी के तत्वावधान में मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज, बेगराजपुर के सहयोग से एक फ्री मेडिकल शिविर एवं दवाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन इस्लामिया डिग्री कॉलेज देवबंद में किया गया। कैंप में शुगर, बीपी, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, आंखों की जांच, त्वचा रोग,नाक, कान, गला रोग की जांच एवं इलाज किया गया। इस कैंप में लगभग 300 रोगियों की जांच की गई?। जो मरीज गंभीर बीमारी से ग्रस्त थे उनका डाटा एकत्रित किया गया तथा उनका इलाज सुचारू रूप से सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कराया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ. अजीमउलहक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह जांच बड़े-बड़े अस्पतालों में होती है, हमें ऐसे कैंपों का अवश्य लाभ लेना चाहिए। शिविर में आने वाले लोगों को मुफ्त दवाई भी उपलब्ध कराई गई तथा भविष्य में इस तरह के स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन होता रहेगा। डॉक्टर ने दर्जनों लोगों एवं छात्र- छात्राओं का हेल्थ चेकअप किया और उन्हें फ्री हेल्थ टिप्स दिए। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि बदलते मौसम में अपना खास ख्याल रखें। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु, डॉ. प्राची, चौ.ओमपाल, डॉ. अज़ीज़, इम्तनान सिद्दीकी, आसिफ खान, मुकीम अब्बासी, डॉ. सौरभ, उमैर सिद्दीकी, डॉ. हर्षवर्धन आदि उपस्थित रहे।

युवा उत्सव के दूसरे दिन कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज में तीन दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव के दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान एकल गायन की विधाओं के कार्यक्रम प्रमुख रहे। एकल गायन में भारतीय एवं पाश्चात्य थीम पर प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी। इसके साथ ही चित्रकला स्पॉट पेंटिंग, कोलॉज, पोस्टर निर्माण, व्यंग्यचित्र एवं मूर्तिशिल्प क्लेमॉडलिंग में भी प्रतिभागियों ने अपनी कलां के द्वारा दिए गए टॉपिक को सजीवता प्रदान

करने का काम किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। वहीं युवा उत्सव कार्यक्रम समिति सदस्य प्रो धर्मेंद्रकुमार सोनी ने बताया कि गुरुवार को समापन समारोह में प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेताओं को पुरुस्कार वितरण किए जाएंगे। युवा उत्सव कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापकों की विभिन्न समितियां बनाई गई हैं जो निर्णायक मंडल सहित अनेक काम कर रहीं हैं। युवा उत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रतिभागियों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्राचार्य ने कक्षा 5वीं के विद्यार्थी का तोड़ा हाथ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर। मनमाने ढंग से फीस वसूली के बाद भी निजी स्कूल के प्राचार्य द्वारा अमानवीय तरीके से कक्षा 5वी के विद्यार्थी के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। अनुशासन सिखाने के नाम पर प्राचार्य द्वारा मासूम के साथ इस कदर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया कि उसका हाथ तक टूट गया। हाथ में फ्रेक्चर आने से दर्द से कराह रहे बच्चे को तुरंत ही परिजन उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। शाजापुर के विद्याकुंज स्कूल में पढने वाले कक्षा 5वीं के मनीष ने बताया कि बुधवार सुबह प्राचार्य राजेश ने उसके साथ जमकर मारपीट की जिससे उसका हाथ फ्रेक्चर हुआ है। फिलहाल विद्यार्थी को उपचार हेतु परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

समाचार लिखे जाने तक प्राचार्य के खिलाफ पुलिस से शिकायत नही की गई थी।

आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से पढ़ेंगे लीड कॉलेज के विद्यार्थी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफफ एक्सीलेंस और 13 शासकीय स्वशासी कॉलेजो में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से दो सर्टिफिकेट कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं फिनटेक विद आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स का संचालन किया जा रहा है। इनमें शामिल प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में भी इसकी शुरूआत की जा रही है। प्राचार्य डॉ बीएस विभूति एवं एआई कोर्स के नोडल प्रो प्रकाश बर्फा ने पूरे कोर्स के बारे में विस्तृत से बताया कि प्रत्येक कोर्स में 8-8 सीटें उपलब्ध रहेंगी। 90 घंटे चलने वाले यह दोनों कोर्स निःशुल्क रहेंगे, हालांकि जो विद्यार्थी कोर्स के लिए चयनित होंगे, उन्हे केवल सुरक्षा निधि के रूप में 1000 रुपये की राशि जमा करनी होगी, जो कोर्स पूर्ण होते ही वापस लौटा दी जाएगी। **यह है चयन की प्रक्रिया** महाविद्यालय के विद्यार्थियों का गूगल फार्म के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है, जो पंजीकृत विद्यार्थी हैं उनकी चयन परीक्षा होगी। इस परीक्षा का आयोजन बीकेएसएन शासकीय महाविद्यालय में ही दिनांक 5 नवम्बर को होगा। चयन प्रक्रिया हेतु प्रश्न पत्र परीक्षा दिनांक को परीक्षा प्रारम्भ होने के आधे घंटे पूर्व ऑनलाईन भोपाल से प्राप्त होंगे, जिन्हे प्रिन्ट करवाकर परीक्षा प्रारंभ होगी। परीक्षा की अवधि 1 घंटा सुबह 11 से दोपहर 12 बजे रहेगी। अगले दिन मूल्यांकन कार्य होगा। तत्पश्चात प्रावीण्य सूची का निर्माण, प्रकाशन व चयनित विद्यार्थियों का पोर्टल पर पंजीयन होगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ हैः IMF

नेशनल डेस्क. IMF के एशिया-प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा, जब तक कि देश के मैक्रोइकोनॉमिक मूलभूत तत्व मजबूत बने रहें। भारत स्न्ङ्ग24-25 में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर बनाए रखने की उम्मीद है, जो ग्रामीण उपभोग में सुधार और फसलों की अच्छी कटाई से समर्थित है।

उन्होंने कहा कि FY24-25 में महंगाई 4.4 प्रतिशत तक गिरने की उम्मीद है, हालांकि खाद्य कीमतों में सामान्य होने के कारण कुछ उतार-चढ़ाव हो सकता है। चुनावों के बावजूद, राजकोषीय समेकन रास्ते पर है। रिजर्व स्थिति मजबूत है। सामान्य रूप से भारत के मैक्रोइकोनॉमिक मूलभूत तत्व मजबूत हैं।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि चुनावों के बाद देश के सुधार प्राथमिकताओं को तीन मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक मुद्दा है भारत में रोजगार सृजन करना। इस संदर्भ में मैं मानता हूं कि श्रम कोड का कार्यान्वयन, जिसे 2019-2020 में मंजूरी दी गई थी, महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे श्रम बाजार अधिक लचीला हो सकेगा और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि देश को प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के लिए कुछ व्यापार बाधाओं को हटाने की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि उदारीकृत व्यापार नीतियां उत्पादक कंपनियों को पनपने की अनुमति देती हैं। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और यही अपने आप में रोजगार सृजित कर सकता है। मुझे लगता है कि अधिक व्यापार प्रतिबंधों को हटाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने भौतिक और डिजिटल अवसंरचना में सुधार को प्रमुख सुधारों के रूप में रेखांकित किया, लेकिन कृषि और भूमि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को भी बताया। उन्होंने कहा- आपको शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करने के बारे में सोचना होगा, एक अर्थव्यवस्था में जो अधिक सेवाओं के क्षेत्र में नौकरियों का सृजन कर सकती है, सही कौशल होना बहुत जरूरी है। इसलिए, शिक्षा में निवेश और श्रम बल के कौशल में सुधार करना बहुत महत्वपूर्ण है।

IMF के निदेशक ने यह भी नोट किया कि सामाजिक सुरक्षा जाल को मजबूत करना एक और आवश्यक सुधार है। अंत में, मैं कहूंगा कि अभी भी बहुत अधिक लालफीताशाही है। व्यापार माहौल में सुधार एक महत्वपूर्ण पहलू होगा। ये कुछ सुधार हैं जिन पर मुझे प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने समझाया कि लालफीताशाही का अर्थ है ऐसी सरकारी या संगठनात्मक प्रक्रियाएं, जो कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में बाधा डालती हैं। श्रीनिवासन ने भारत में लालफीताशाही के उदाहरण साझा किए, यह बताते हुए कि कुछ निवेशकों के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश करना, निवेश स्थापित करना, या बड़े परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। किसी उद्यम से बाहर निकलना या उसे बंद करना भी कठिन हो सकता है।

श्रीनिवासन ने कहा कि ये केवल दो उदाहरण हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि श्रम बाजार के मुद्दे, जैसे श्रम कोड, अभी भी रुकावटें हैं। ये ऐसे सुधार हैं, जिन पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है,

उन्होंने बताया कि बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत तक गिर गई है, क्योंकि श्रम बल में भागीदारी और रोजगार-से-जनसंख्या अनुपात बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए श्रम बल में भागीदारी अब 56.4 प्रतिशत है, जबकि रोजगार-से-जनसंख्या अनुपात लगभग 53.7 प्रतिशत है, जो कि 1940 के दशक से बढ़ती जा रही है। ये प्रवृत्तियाँ पहले भी थीं, लेकिन अधिकांश वृद्धि आत्म-नियोजित श्रमिकों में देखी गई है। श्रीनिवासन ने यह भी संकेत दिया कि हाल के समय में कम उत्पादकता वाले कृषि क्षेत्र की ओर कामकाजी लोगों की प्रवृत्ति उभरी है, क्योंकि जो नौकरियां उत्पन्न हो रही हैं, वे सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं। उन्होंने देश में महिलाओं की श्रम बल में कम भागीदारी और युवाओं की बेरोजगारी की समस्या पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विभिन्न आंकड़े उपलब्ध हैं, लेकिन हम सभी इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी कम है और युवाओं की बेरोजगारी काफी अधिक है। इसलिए रोजगार सृजन के लिए वातावरण को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।

उत्तर कोरिया ने सियोल के राष्ट्रपति भवन पर गिराए कचरे से भरे गुब्बारे

बीच में से निकले आपत्तिजनक पर्चे

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया ने मई के अंत में दक्षिण कोरिया की ओर कचरे से भरे गुब्बारे भेजना शुरू किया था, जिसके बाद से उसने अब दूसरी बार इस तरह के गुब्बारे भेजे। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए गए, हालांकि इनमें कोई खतरनाक वस्तु नहीं थी।

यह तत्काल पता नहीं चल पाया कि उत्तर कोरियाई गुब्बारे के गिरने के समय राष्ट्रपति यून सुक-योल परिसर में मौजूद थे या नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के पास खास स्थानों को निशाना बनाकर गुब्बारे गिराने के लिए संभवतः अत्याधुनिक तकनीक का अभाव है। दक्षिण कोरिया के 'डोंग-ए इल्बोसमाचार पत्र में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर में बताया गया कि उत्तर कोरिया ने सियोल स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में कचरे से भरे गुब्बारे गिराए। गुब्बारे से गिराए गए कचरे के साथ राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम कियोन ही की आलोचना वाले पर्चे भी थे। समाचार पत्र में बताया गया कि सियोल के योंगसान जिले में ये पर्चे बिखरे हुए मिले थे और यहीं यून का राष्ट्रपति कार्यालय है। इसमें बताया गया कि उत्तर कोरिया ने निर्धारित स्थानों पर कचरे से भरे गुब्बारे गिराने के लिए हाल में जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

अमेरिका में भारतीयों को बड़ा तोहफा

इस राज्य ने दीवाली पर आधिकारिक छुट्टी का किया ऐलान

इण्टरनेशनल डेस्क। अमेरिका में दीवाली पर भारतीयों को बड़ा तोहफा मिला है। यहां पहले राज्य ने दीवाली पर आधिकारिक छुट्टी का किया ऐलान कर भारतीय अमेरिकी नागरिकों को खुश कर दिया है। पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने सोमवार को एक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिससे दिवाली को पेंसिल्वेनिया में आधिकारिक अवकाश के रूप में मान्यता मिली।गवर्नर शापिरो ने कहा, इस बिल पर हस्ताक्षर करके, हम दिवाली के महत्व को पहचानने के साथ-साथ पेंसिल्वेनिया में एशियाई अमेरिकी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और योगदान का जश्न मना रहे हैं।

यह कानून राज्य senate में सेनेटर ग्रेग रॉथमैन (आर) और सेनेटर निकिल सावल (डी) द्वारा प्रस्तावित किया गया था। शापिरो के कार्यालय के अनुसार, दिवाली को दक्षिण एशियाई संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। रॉथमैन ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राज्य अवकाश के रूप में मान्यता देने से हमारी पेंसिल्वेनिया की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिवाली, जिसे रोशनी का त्योहार कहा जाता है, मुख्य रूप से भारत और दक्षिण एशिया में मनाया जाता है। यह पाँच दिनों तक चलने वाला त्योहार है, जिसमें मुख्य समारोह तीसरे दिन होता है।

उन्होंने कहा कि इस त्योहार के दौरान लोग अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं और अच्छाई की बुराई पर, ज्ञान की अज्ञानता पर और आंतरिक प्रकाश की आध्यात्मिक अंधकार पर विजय का जश्न मनाते हैं। दिवाली की उत्सव में पटाखे छोड़ना, दीपक जलाना और मिट्टी के दीयों को सजाना शामिल है। सावल ने कहा, हम सभी को अपनी संस्कृतियों को पहचानने और सम्मानित करने का हक है। इस कानून का तुरंत प्रभाव होगा, और इस साल की दिवाली के समारोह को पेंसिल्वेनिया के इतिहास में पहली बार मनाया जाएगा।

हालाँकि, पेंसिल्वेनिया इसे एक राज्य अवकाश के रूप में मान्यता देगा, लेकिन स्कूल, सरकारी कार्यालय और व्यवसाय बंद होने की आवश्यकता नहीं है।

बैंक ऑफ कनाडा ने मुख्य ब्याज दर घटाकर 3.75% कर दीआने वाले समय में और कटौती के संकेत

नेशनल डेस्क. बैंक ऑफ कनाडा ने अपनी नीतिगत ब्याज दर में आधे प्रतिशत की कटौती की है और अपने मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान को भी कम किया है। यह कदम अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए उठाया गया है। बैंक ने बुधवार को बेंचमार्क ब्याज दर को 4.25 प्रतिशत से घटाकर 3.75 प्रतिशत कर दिया, जो कि लगातार चौथी बार है। गवर्नर टिफ मैकलेम ने कहा कि मुद्रास्फीति अब 2 प्रतिशत के लक्ष्य पर आ गई है और इसे बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने संकेत दिया कि आगे ब्याज दरों में और कटौती की संभावना है, लेकिन यह आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी।

यह कटौती तब की गई है जब कनाडा में मुद्रास्फीति कम हो रही है और आर्थिक वृद्धि उम्मीद से कमजोर है। बैंक का उद्देश्य उधारी की लागत को कम करके आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बैंक के नए पूर्वानुमान के अनुसार, आर्थिक वृद्धि में अगले वर्ष तेज़ी देखने को मिल सकती है, जिससे उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी हो सकती है।

बुधवार की दर में कटौती से परिवर्तनीय दर बंधक वाले घर के मालिकों को राहत मिलेगी और फिक्स्ड-रेट बंधक पर भी दरें कम हो सकती हैं।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में पिछले साल के उच्चतम स्तर से गिरावट आई है, और हालिया आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यह 1.6 प्रतिशत पर आ गया था। बैंक को उम्मीद है कि अक्टूबर में यह फिर से बढ़ सकता है। मैकलेम ने कहा कि वे अब मुद्रास्फीति के लिए जोखिमों को संतुलित मानते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि घरेलू खर्च में वृद्धि में देरी हो सकती है, जबकि कम ब्याज दरें आवास बाजार में सुधार ला सकती हैं।

कनाडाई अर्थव्यवस्था पर उच्च ब्याज दरों का गहरा असर पड़ा है, लेकिन तेजी से जनसंख्या वृद्धि के कारण मंदी टल गई है। बैंक ने 2024 और 2025 के लिए जीडीपी वृद्धि के अपने पूर्वानुमान में सुधार किया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है।

पाकिस्तान में गुरु नानक जयंती व दीपावली से पहले हिंदुओं और सिख परिवारों को नकद राशि देगी सरकार

इण्टरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान की पंजाब सरकार गुरु नानक जयंती व दीपावली के मौके पर प्रांत में प्रत्येक सिख और हिंदू परिवार को 10,000 पाकिस्तानी रुपये देगी। कुल 2200 परिवारों को यह राशि दी जाएगी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार प्रांत में प्रत्येक सिख व हिंदू परिवार को एक 'त्यौहार कार्ड जारी करेगी, जिसके तहत गुरु नानक जंयती और दीपावली के मौके पर उन्हें 10,000 पाकिस्तानी रुपए दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि गुरु नानक देव की 555वीं जयंती मनाने के लिए अगले महीने आने वाले विदेशी तीर्थयात्रियों के वास्ते विशेष व्यवस्था की गई है। पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 'हमारे हिंदू और सिख भाइयों को त्यौहार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करें। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार ने 2,200 सिख और हिंदू परिवारों के लिए 'त्यौहार कार्ड जारी करने की मंजूरी दी है। इस वर्ष से इन 2,200 परिवारों को त्यौहार कार्ड के तहत ये धनराशि प्रत्येक वर्ष दी जाएगी।

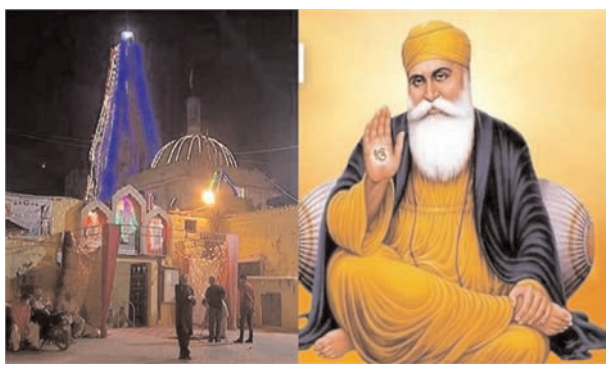

'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने बताया कि विदेशी तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने की सुविधा के लिए एक वीजा स्वचालन प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें भारत से 3,000 से अधिक और अन्य देशों से आने वाले 1,000 सिख तीर्थयात्री शामिल हैं। इन सभी श्रद्धालुओं के अगले महीने गुरु नानक देव की 555वीं जयंती मनाने के लिए यहां आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा सिख तीर्थयात्रियों के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड के 100 सुरक्षा गार्डों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खोखर ने बताया, तीर्थयात्रियों के स्वागत में कोई कसर न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाओं पर बारीकी से निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत से सिख तीर्थयात्रियों के 14 नवंबर को वाघा सीमा के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचने की उम्मीद है।

डेरे की संगत के लिए खुशखबरी, हफ्ते में 2 दिन होगा सत्संग!

फिल्लौर (भाखड़ी)। डेरा सत्संग ब्यास की शाखा फिल्लौर के गांव प्रतापपुरा में 3.5 एकड़ में खुले सत्संग घर का कार्य पूरी तरह से मुकम्मल हो गया है। सेवादार मिस्त्री और संगत ने 12 घंटे में सत्संग घर की चारदीवारी कर एक तरफ से रिकार्ड कायम कर दिया था। वहीं जल्द ही हैडक्वाटर से सप्ताह में 2 दिन सत्संग करने का समय मिल जाएगा। यहां आने वाली संगत खास तौर पर महिलाओं को लेकर शौचालय भी बना दिए गए है।

अब चारदीवारी परसीमेंट का कार्य भी सेवादारों ने मात्र 2 दिन में मुक्कमल कर दिया। कमेटी मैंबर मोहन सिंह ने बताया कि कार्य मुकम्मल होते ही डेरा ब्यास हेड क्वार्टर से उन्हें वहां हर रविवार को सत्संग करने की इजाजत मिल गई थी, जिसके बाद रविवार को सत्संग करने संगत पहुंच रही है। संगत के सत्संग करने के लिए वहां फिलहाल एक शैड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। आने वाले दिनों में जल्द ही अन्य शैड भी लगा दी जाएंगे।

इसके अलावा इस सत्संग घर में हरियाली वाले पौधे और सुंदर पार्क बनाएं जाएंगे। उन्होंने बताया कि रोजाना करीब 150 सेवादार संगत यहां चल रहे निर्माण कार्य में सेवा करने पहुंच रही है। यहां खुले सत्संग घर के कारण संगत में बहुत उत्साह है। जिस दिन यहां सत्संग घर खोलने की शुरुआत की गई थी, उस दिन 5 हजार से ज्यादा संगत ने भाग लिया था। मोहन सिंह ने बताया कि संगत ने पूरी श्रद्धा उत्साह से उक्त काम को पूरा किया। इस बात का अंदाजा नहीं था कि 12 घंटे में सवा लाख ईंट लगाकर दीवार का कार्य पूरा कर यहां रिकार्ड बन जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569